MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 18 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-196

### रानी देवी दहेज़ प्रताडना केस

# मुख्य आरोपी पति मनीष गिरफ्तार

**ओम प्रकाश सिरवी**
यादाद्री-भुवनगिरी, 17 जुलाई।

मृतका की फाइल फोटो

मृतका का पति - आरोपी मनीष

यादाद्री-भुवनगिरि जिले के पोचमपल्ली थाना क्षेत्र में प्रवासी विवाहिता रानी देवी की संदिग्ध मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। दहेज प्रताड़ना के गंभीर आरोपों के बीच पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुख्य आरोपी पति मनीष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच अब चोट्टुप्पल के डीएसपी को सौंप दी गई है।

पीहर पक्ष का आरोप है कि बेटी की मौत के बाद पुलिस की कार्रवाई अपेक्षित गति से नहीं हुई। उनका कहना है कि एफआईआर की प्रति भी उन्हें तीन दिन बाद उपलब्ध कराई गई। इसके बाद मृतका के परिजन दोबारा पोचमपल्ली थाने पहुंचे और शेष आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को विस्तृत शिकायत भेजकर निष्पक्ष एवं त्वरित जांच की मांग की गई।

एफआईआर के अनुसार राजस्थान निवासी रानी देवी का विवाह 5 मई 2023 को मनीष के साथ हुआ था। विवाह के दौरान मायके पक्ष ने लगभग 15 तोला सोना और आधा किलो चांदी उपहार स्वरूप दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विवाह के कुछ माह बाद पति ने कपड़े के व्यवसाय के लिए 5 लाख रुपये की मांग की। बेटी का घर बसाने की उम्मीद में पिता ने यह राशि दे दी, लेकिन इसके बाद भी प्रताड़ना का सिलसिला नहीं रुका।

शिकायतकर्ता के अनुसार व्यवसाय में नुकसान का हवाला देकर दोबारा 5 लाख रुपये की मांग की गई। कुल 10 लाख रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर रानी देवी को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पति के अलावा उसके बड़े भाई पारसराम तथा परिवार की महिलाएं कमला देवी, पिस्ता देवी, सुरम देवी और विमला देवी भी कथित रूप से प्रताड़ना में शामिल थीं।

एफआईआर में उल्लेख है कि 12 जुलाई 2026 की रात रानी देवी ने अपने पिता को फोन कर मारपीट और जान से मारने की धमकी मिलने की जानकारी दी थी। अगले दिन 13 जुलाई को सूचना मिली कि वह मकान की दूसरी मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई।

मृतका के पिता की शिकायत पर पोचमपल्ली पुलिस थाना ने अपराध क्रमांक 140/2026 के तहत पति सहित छह आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 80, धारा 85 और धारा 3(5) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत मामला दर्ज किया ।

मृतका के भाई ने डीजीपी को भेजे शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि विवाह के बाद लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग की गई, रानी देवी को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया तथा स्थानीय स्तर पर पुलिस कार्रवाई संतोषजनक नहीं रही। शिकायत में सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

इधर, शुभ लाभ के संवाददाता ओम प्रकाश सिरवी ने मामले में नामजद आरोपी पारसराम से दूरभाष पर बातचीत कर ससुराल पक्ष का भी पक्ष जाना। पारसराम ने पीहर पक्ष के सभी आरोपों को पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। उनका कहना है कि परिवार के सभी भाई अलग-अलग मकानों में रहते हैं ▶8पर

## वंदेमातरम् अनिवार्य

### अपमान पर 3 साल जेल

**नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां):**
केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही है। सरकार सदन में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (अमेंडमेंट) बिल (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन विधेयक) पेश करेगी। इस विधेयक के जरिए देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को भी राष्ट्रीय ध्वज, भारतीय संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही कानूनी संरक्षण देने का प्रस्ताव है। यदि यह बिल संसद के दोनों सदनों से पारित हो जाता है, तो वंदे मातरम् का अपमान करने, इसके गायन में जानबूझकर बाधा डालने या किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा करने पर दोषी को तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

वर्तमान में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के तहत केवल राष्ट्रगान जन गण मन, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान करना ही दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। नए संशोधन के माध्यम से अब राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को भी इसी कड़े कानून के दायरे में शामिल किया जाएगा।

वंदे मातरम् की 150वीं जयंती पर बड़ा कदम

मसरकार का यह महत्वपूर्ण कदम ऐसे समय में आया है, जब देश भर में वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ (जयंती) मनाई जा रही है। पिछले कुछ महीनों में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत के सम्मान को लेकर कई अहम फैसले लिए हैं। इसी साल फरवरी में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश जारी किया था कि जिन सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान जन गण मन बजाया या गाया जाता है, वहां वंदे मातरम् का गायन या वादन भी अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके बाद, जुलाई में गृह मंत्रालय ने राज्यों के मुख्य सचिवों को एक और पत्र भेजकर प्रोटोकॉल स्पष्ट किया। मंत्रालय ने कहा कि यदि किसी सरकारी कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों प्रस्तुत किए जा रहे हों, तो पहले वंदे मातरम् और उसके बाद जन गण मन प्रस्तुत किया जाए। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया कि गायन के दौरान वंदे मातरम् के सभी छह अंतरे गाए जाएं, जिस पर अब एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है। ▶8पर

### डिफेंस डील की तैयारी में पाक

## अब कुवैत पर डोरे

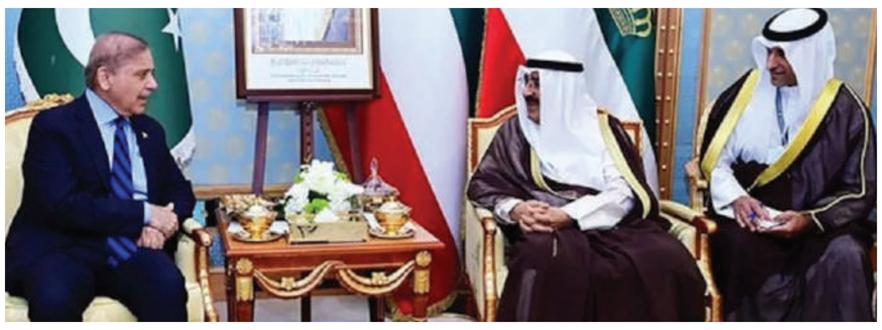

**नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां):**
सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता होने के बावजूद वहां ईरान समर्थित हमलों को रोकने में नाकाम रहे पाकिस्तान ने अब खाड़ी के एक और देश कुवैत के साथ बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी शुरू कर दी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान और कुवैत के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा और द्विपक्षीय निवेश को लेकर शुरुआती स्तर की उच्च स्तरीय बातचीत चल रही है।

हालांकि, जानकारों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस बातचीत की रफ्तार पर असर पड़ सकता है। यदि यह समझौता आगे बढ़ता है, तो इससे क्षेत्र में पाकिस्तान की भूमिका बदलेगी और भारत की सुरक्षा चिंताओं पर भी इसका सीधा असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत चाहता है कि पाकिस्तान के साथ उसका होने वाला रक्षा समझौता ठीक सऊदी अरब की तर्ज पर हो। इसके तहत कुवैत ने अपनी धरती पर पाकिस्तानी सैनिकों की तैनाती, लड़ाकू विमान, ड्रोन, एयर डिफेंस सिस्टम और अन्य आधुनिक सैन्य सुविधाएं प्रदान करने की मांग की है। हालांकि, इस मोर्चे पर पाकिस्तान फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कुवैत में लड़ाकू सैनिक भेजने को लेकर फिलहाल दोनों पक्षों में कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। ▶8पर

# देवा भाऊ दिल्ली दूर नहीं

### सीएम पद छोड़ने की अटकलें

**नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां):**
शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत के एक चौंकाने वाले दावे ने महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में भारी हलचल पैदा कर दी है। संजय राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि यदि आगामी एक-दो महीनों के भीतर केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में कोई विस्तार या बड़ा फेरबदल होता है, तो महाराष्ट्र की राजनीति में भी बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को केंद्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपकर दिल्ली बुलाया जा सकता है, और उनकी जगह राज्य में भारतीय जनता पार्टी के ही किसी अन्य वरिष्ठ मंत्री को मुख्यमंत्री की कमान सौंपी जा सकती है।विदर्भ दौरे पर नागपुर पहुंचे संजय राउत ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान यह बड़ा बयान दिया। वह यहां उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिव-सेना (यूबीटी) द्वारा आयोजित किए जा रहे 'राम रक्षा आंदोलन' की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे थे। जब संवाददाताओं ने उनसे केंद्र और महाराष्ट्र में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि यदि केंद्र में कोई बदलाव होता है तो उसका सीधा और गहरा असर महाराष्ट्र की सत्ता पर दिखाई देगा।राउत ने कहा, अगर केंद्र में मंत्रिमंडल का फेरबदल होता है, तो देवेंद्र फडणवीस देश की सेवा के लिए दिल्ली जा सकते हैं और महाराष्ट्र में बीजेपी का कोई वरिष्ठ मंत्री मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल सकता है। हालांकि, अपनी इस भविष्यवाणी के समर्थन में उन्होंने किसी ठोस राजनीतिक आधार या संभावित नए मुख्यमंत्री के नाम का खुलासा नहीं किया।

**अयोध्या में कथित गड़बड़ी के विरोध में आज से राम रक्षा आंदोलन**

इस दौरान संजय राउत ने 18 जुलाई से नागपुर में आयोजित होने वाले राम रक्षा आंदोलन की रूपरेखा भी साझा की। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन अयोध्या के भव्य राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे में ▶8पर

### मोदी-मनीष तिवारी भेंट

### पंजाब राजनीति में नया मोड

चंडीगढ़ में एक सार्वजनिक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चंडीगढ़ से नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के बीच हुई गर्मजोशी भरी मुलाकात इस समय सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक में भारी चर्चा का विषय बनी हुई है। पंजाब कांग्रेस के भीतर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के बीच जारी तीखे अंदरूनी टकराव के बीच, इस मुलाकात को राजनीतिक विश्लेषक बेहद अहम और रणनीतिक मान रहे हैं। चूंकि मनीष तिवारी चंडीगढ़ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए सरकारी प्रोटोकॉल और शिष्टाचार के तहत उन्हें इस आधिकारिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था।

मौका था शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक भव्य विकास समारोह का, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ▶8पर

# पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू

### प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

**जींद/नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां):**
भारतीय रेल के इतिहास में शुक्रवार को एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ऐतिहासिक शुरुआत के साथ ही भारत दुनिया का पांचवां ऐसा देश बन गया है, जिसने पर्यावरण अनुकूल हाइड्रोजन तकनीक से ट्रेन चलाने में सफलता हासिल की है। उद्घाटन के पहले दिन जींद रेलवे स्टेशन पर भारी उत्साह देखा गया। इस पहली यात्रा में कुल 270 यात्रियों ने सफर का आनंद लिया, जिनमें लगभग 200 स्कूली बच्चे शामिल थे। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म से रवाना हुई, वहां मौजूद जनसैलाब ने जय श्रीराम और भारत माता की जय के गगनभेदी नारों के साथ इस पल का स्वागत किया। ▶8पर

### बुलेट ट्रेन पटरी पर

**जापानी नेता के आरोप खारिज**

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना (एमएएचएसआर) में हो रही कथित देरी को लेकर जापान के पूर्व न्याय मंत्री हिदेकी माकिहारा द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को भारत सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि यह पूर्व जापानी मंत्री की नितांत व्यक्तिगत राय है, जिसका वास्तविक तथ्यों से कोई सरोकार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि भारत और जापान के बीच हाई-स्पीड रेल परियोजना को लेकर रणनीतिक बातचीत बेहद सकारात्मक माहौल में आगे बढ़ रही है और धरातल पर निर्माण कार्य भी रिकॉर्ड गति से जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस वार्ता में कहा, हमने सोशल मीडिया पर किया गया वह पोस्ट देखा है। यह महज़ एक व्यक्ति का निजी दृष्टिकोण है और जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल जुदा है। ▶8पर

### ईरान के बुनियादी ढाँचे निशाने पर

# चाबहार टावर गिरा

**नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां):**
ईरान के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर हुए भीषण अमेरिकी हवाई हमले में आखिरकार इस पोर्ट का आइकॉनिक मैरीटाइम ट्रैफिक कंट्रोल टावर पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। इस मजबूत टावर को गिराने के लिए अमेरिकी सेना ने एक के बाद एक तीन बार हवाई हमले किए। पहला हमला 8 जुलाई को हुआ, जिसके बाद 15 जुलाई को अमेरिका ने इस पर फिर मिसाइलें दागीं। आखिरकार 16 जुलाई की रात को हुए अंतिम और भीषण हमले में यह बहुमंजिला टावर मलबे में तब्दील हो गया। चाबहार तेहरान का एकमात्र ऐसा मुख्य समुद्री गेटवे है, जो विवादित होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर नहीं गुजरता। इस कारण इसका ट्रैफिक कंट्रोल तबाह होने से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में बड़ी रुकावट आ सकती है, माल ढुलाई की लागत बढ़ सकती है और खाड़ी देशों के बाहर ईरान की बची हुई कुछ सीमित आर्थिक जीवनरेखाओं पर ▶8पर

# ईरान की पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले की चेतावनी

**तेहरान**

ईरान की सशस्त्र सेना के वरिष्ठ प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेकारची ने गुरुवार (स्थानीय समय) को चेतावनी दी कि अगर देश के सैन्य केंद्रों पर हमला होता है तो तेहरान पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले करेगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा का मुख्य कारण अमेरिकी सेना की मौजूदगी है। ईरान वायर, इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्राडकास्टिंग (आईआरआईबी) और फाक्स न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

शेकारची ने आईआरआईबी पर प्रसासित साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका और इजराइल को इस क्षेत्र में मौजूद रहने का कोई अधिकार नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के नियंत्रण में सुरक्षित है। उन्होंने इस रणनीतिक जलमार्ग में बढ़ते तनाव के लिए अमेरिकी सेना की नाकाबंदी को जिम्मेदार ठहराया। शेकारची ने पड़ोसी देशों से ईरान का सहयोग करने का आग्रह किया।

प्रवक्ता ने कहा, अगर नुकसान पहुंचाया जाता है, तो क्षेत्र का सारा अमेरिकी इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे निशाने पर होगा। उन्होंने कहा, हम दुश्मन पर ताकत के साथ हमला करेंगे। हम सालों तक लड़ सकते हैं। उनकी यह टिप्पणी ईरान के खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता की इसी तरह की चेतावनी के बाद आई है। खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ईरान की सबसे बड़ी आपरेशनल कमांड यूनिट है। यह सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के बीच सैन्य अभियान में तालमेल बिठाती है।

खतम-अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के बयान में कहा गया है कि अमेरिका को किसी भी स्थिति में और किसी भी तरह से इस जलमार्ग में दखल देने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बयान में कहा गया, अमेरिका ने ईरान के तेल और गैस निर्यात मार्गों को निशाना बनाया है। अगर यह सिलसिला नहीं रुकता तो क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगियों के हितों से जुड़े सभी इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया जाएगा।

यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ने हाल के दिनों में ईरान के दक्षिणी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी फिर से शुरू कर दी है। ईरान के दक्षिण में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चेतावनी दे चुके हैं कि अगर कोई समझौता नहीं होता है तो अमेरिकी हमले ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर तक फैल जाएंगे, जिसमें पावर प्लांट और पुल भी शामिल होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फाक्स न्यूज से कहा कि अगले सप्ताह ईरान के लिए बहुत बुरे होने वाले हैं। अमेरिका पावर प्लांट और पुलों पर हमले करेगा।

## न्यूज ब्रीफ

### हाथी ने 2 को कुचला फिर परिवार के दो सदस्यों को 14 साल बाद मार डाला

**काठमांडु।** हाथियों को दुनिया के सबसे बुद्धिमान और बेजोड़ याददाश्त वाले जानवरों में गिना जाता है और नेपाल से सामने आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने एक बार फिर उनकी स्मरण शक्ति को गहरी चर्चा में ला दिया है। चितवन राष्ट्रीय उद्यान के आसपास रहने वाले एक परिवार पर एक कुख्यात जंगली हाथी ने 14 वर्ष बाद दोबारा जानलेवा हमला कर दिया, जहां सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसी हाथी ने वर्ष 2012 में भी इसी परिवार के दो सदस्यों की जान ले ली थी। उस समय पीड़ित परिवार ने इस खौफनाक खतरे से बचने के लिए अपना पुराना घर छोड़ दिया था और कई किलोमीटर दूर दूसरी जगह जाकर बस गया था, लेकिन प्रतिशोधी हाथी सालों बाद वहां भी पहुंच गया। चितवन राष्ट्रीय उद्यान के सूचना एवं संरक्षण अधिकारी अबिनाश थापा ने इस खौफनाक घटना की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावर जंगली हाथी धुरबे पर पैनी निगरानी रखने के लिए जीपीएस ट्रैकिंग कालर लगाया गया है और घटना के समय उसकी लोकेशन पीड़ित परिवार के नए घर के बिल्कुल आसपास ही दर्ज हुई थी, जहां अधिकारियों के अनुसार यह आदमखोर हाथी अब तक 25 निर्दोष लोगों की जान ले चुका है, जिनमें राष्ट्रीय उद्यान के दो कर्मचारी भी शामिल हैं। पीड़ित शनिचारा ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि वर्ष 2012 में बोते माडी क्षेत्र में धुरबे ने उनके माता-पिता बुधिराम और झरली को बेरहमी से कुचलकर मार डाला था, जिसके बाद परिवार ने सुरक्षा के मद्देनजर रेउ और राप्ती नदियां पार कर जगतपुर में एक नया घर बना लिया था क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास था कि हाथी इतनी दूर नदियों को पार कर वहां तक कभी नहीं पहुंचेगा।

### खिसिया रहा अमेरिका ने इजरायल से कहा- भाड़ में जाओ तुम, ईरान शांति समझौते पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति की दो टूक

**वाशिंगटन।** अमेरिका और इजरायल के बीच दशकों पुराने मजबूत संबंधों में बढ़ती खटास अब खुले तौर पर सामने आ गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ शांति समझौते को लेकर इजरायली सोशल मीडिया अभियानों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें सीधे शब्दों में भाड़ में जाओ कह दिया है। वेंस ने एक पाडकास्ट बातचीत के दौरान इजरायल पर यह तीखा हमला किया, जिससे दोनों सहयोगी देशों के बीच के गहरे मतभेद उजागर हो गए हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ईरान के साथ एक शांति समझौता करने का प्रयास कर रहा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में तनाव कम करना है। हालांकि, इजरायल इस समझौते का कड़ा विरोध कर रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह ईरान के मिसाइल कार्यक्रम को रोकने में विफल रहा है, जिसे इजरायल अपनी सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा मानता है। वेंस ने आरोप लगाया कि इजरायली खेमे में ऐसे कुछ लोग हैं जो किसी तय रणनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के बजाय ईरान के साथ संघर्ष को अनिश्चितकाल तक खींचना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमें इस बात की अच्छी तरह जानकारी है कि उनके यहां ऐसे कुछ लोग हैं जो अमेरिकी जनमत को बदल रहे हैं और उसे प्रभावित कर रहे हैं ताकि युद्ध अनिश्चित काल तक चलता रहे। वेंस ने बताया कि इजरायली सरकार के लोगों से जुड़े व्यक्तियों ने उनके खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया था, क्योंकि वह ईरान के साथ एक ऐसा समझौता करने की कोशिश कर रहे थे जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय लक्ष्यों को पूरा करता हो।

### गैंगस्टर नीतीश कौशल को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया

**वाशिंगटन।** अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने भारतीय गैंगस्टर्स के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एफबीआई ने कहा कि गैंगस्टर नीतीश कौशल को गिरफ्तार कर लिया गया है। ब्यूरो ने इससे पहले उसका नाम अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया था। उस पर हत्या, अपहरण, ड्रग तस्करी, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, मनी लान्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे अपराधों में शामिल रहने का आरोप है। संघीय जांच ब्यूरो ने एक्स हैंडल में सूचना साझा की कि गैंगस्टर नीतीश कौशल को गुरुवार को वरमोंट में गिरफ्तार कर लिया गया है। एफबीआई ने लोगों से अपील की है कि आपराधिक गतिविधियों की जांच से जुड़े अपराधों के लिए वांछित अन्य भगोड़ों का पता लगाने में उसकी मदद करें। एफबीआई ने मंगलवार को नीतीश कौशल को एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन का गुर्गा घोषित किया था। ब्यूरो के अनुसार, यह संगठन हत्या, अपहरण, ड्रग तस्करी, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, मनी लान्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे अपराधों में सक्रिय है।

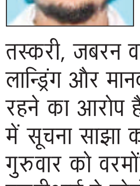

# एआई स्टार्टअप के क्षेत्र में मात्र 12 साल की माना ने कमाया नाम

**लंदन**

जिस उम्र में बच्चे अक्सर स्कूल जाने या खेलने-कूदने में अपना समय बिताते हैं, कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में रहने वाली 12 साल की बच्ची माना जम्पाला ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में जबर्दस्त नाम कमाया है। छोटी सी उम्र में इस बालिका ने अपना खुद का स्टार्टअप वोक्सा शुरू कर दिया है। यह स्टार्टअप छोटे व्यवसायों के लिए एआई-पावर्ड वर्चुअल रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करता है, जो फोन काल्स, अपाइंटमेंट और आर्डर्स को कुशलतापूर्वक मैनेज करता है, और अंत में काल की समरी भी प्रदान करता है।

माना के भीतर कुछ अलग करने की ललक बचपन से ही थी, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह जुनून उनके पिता की कंपनी के लिए एक वरदान साबित होगा और उन्हें एक सफल उद्यमी बना देगा। इस आविष्कार का विचार तब आया जब माना एक बार अपने पिता के कार्यालय गईं और उन्होंने देखा कि उनकी छोटी सी टीम ग्राहकों के साथ व्यस्त होने के कारण कई महत्वपूर्ण फोन काल्स मिस कर रही थी। उन्होंने महसूस किया कि इससे न केवल ग्राहकों को असुविधा हो रही थी, बल्कि व्यवसाय के कई अवसर भी हाथ से निकल रहे थे। माना ने इस समस्या को सामान्य मानने के बजाय इसका समाधान खोजने का फैसला किया, और इसी सोच के साथ नवंबर 2025 में वोक्सा का जन्म हुआ।

माना की टेक्नोलाजी यात्रा इससे कुछ पहले ही शुरू हो चुकी थी, जब उन्होंने मात्र 9 साल की उम्र में पाइथन प्रोग्रामिंग सीखना शुरू कर दिया था। जल्द ही प्रोग्रामिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उनके जुनून का विषय बन गए। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय कोडिंग प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की और युवा उद्यमियों को साहसिक विचारों के लिए ग्रांट देने वाले प्रतिष्ठित 1517 मेडिची प्रोजेक्ट से भी सहायता प्राप्त की। इसी सीख और जुनून का नतीजा वोक्सा है, जो आज 24 घंटे काम करता है। यह बिजनेस मालिकों की अनुपस्थिति में भी अपाइंटमेंट शेड्यूल करता है, मिस्ड काल्स को मैनेज करता है, आर्डर रिकार्ड करता है और हर बातचीत के बाद एक विस्तृत समरी देता है। माना ने वोक्सा एजेंट्स नामक एक फीचर भी विकसित किया है, जिससे उपयोगकर्ता साधारण भाषा में निर्देश देकर अपने हिसाब से कस्टमाइज्ड एआई असिस्टेंट बना सकते हैं। कोडिंग की हर लाइन खुद लिखने के बजाय, माना ने चैटजीपीटी और क्लाउड जैसे एआई टूल्स का बुद्धिमत्तापूर्वक उपयोग कर डेवलपमेंट प्रक्रिया को तेज किया, हालांकि सिस्टम का मुख्य भाग उन्होंने स्वयं बनाया है।

उनका मानना है कि एआई ने युवाओं के लिए अपने विचारों को वास्तविक उत्पादों में बदलना पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। एक युवा फाउंडर होने के नाते, माना को शुरुआत में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि कुछ ग्राहक और निवेशक उनकी कम उम्र को देखकर हिचकिचाते थे। लेकिन माना ने हार नहीं मानी। उन्होंने आनलाइन आउटरीच पर ध्यान केंद्रित किया, अपने प्रोडक्ट को लगातार अपडेट किया और उसकी गुणवत्ता पर जोर दिया। आज वोक्सा सैकड़ों काल्स को सफलतापूर्वक हैंडल कर रहा है और माना अपने पहले पेइंग कस्टमर्स को साइन करने की दिशा में काम कर रही हैं। भविष्य में माना वोक्सा को स्टार्टअप एक्सेलरेटर प्रोग्राम्स से जोड़कर आगे बढ़ाना चाहती हैं और निवेश जुटाकर कंपनी का विस्तार करना चाहती हैं।

### अमेरिका ने ईरान के एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और पुल कर दिए तबाह, ईरान ने बहरीन, जार्डन और कुवैत के अमेरिकी बेस पर हमला किया

**वाशिंगटन।** अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है, जहाँ अमेरिका ने ईरान पर लगातार छठे दिन भी भीषण हमले किए हैं। गुरुवार रात को, अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों में रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें पुल, रेलवे स्टेशन, पावर प्लांट और दूरसंचार टावर तबाह हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, इन हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी हमलों का मुख्य उद्देश्य ईरान के महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुँचाना प्रतीत होता है। गुरुवार को ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन, जार्डन और कुवैत जैसे पड़ोसी खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि हालिया हमलों के बाद ईरान की सैन्य और ढाँचागत क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, अमेरिका ने होर्मुज क्षेत्र में भी कई हमले किए हैं। दक्षिणी ईरान के इरानशहर एयरपोर्ट के पास जोरदार धमाके सुने गए, जहाँ मिसाइल हमलों की पुष्टि हुई है। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने एयरपोर्ट पर मिसाइलें दागीं। इसके अलावा, बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में स्थित रेलवे स्टेशन को भी निशाना बनाया गया है, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई है। ईरान के अधिकारियों ने बताया कि होर्मुजगैन प्रांत में बंदर खमीर के पास दो पुलों पर भी हमले हुए हैं। इन हमलों में करीब दो लोगों के मारे जाने और चार के घायल होने की खबर है, जिसके बाद बंदर अब्बास को जोड़ने वाले खमीर और लार के रास्ते बंद कर दिए गए हैं। हमलों का सिलसिला यहीं नहीं रुका; दक्षिणी ईरान के केश्म आइलैंड पर भी बमबारी की गई। बंदर अब्बास के एक मोबाइल टावर को भी भारी नुकसान पहुँचा है, जिससे इस इलाके में मोबाइल सेवाएँ बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

# पपी लूना ने शादी के प्रमाण पत्र पर पंजे का निशान लगाकर विवाह कराया संपन्न

**क्विटो**

आधुनिक दौर में विवाह समारोहों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब शादी केवल दो लोगों का ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार का उत्सव बन गई है, जिसमें पालतू जानवर भी खास भूमिका निभाने लगे हैं। ऐसा ही एक अनोखा मामला इक्वाडोर में देखने को मिला, जहां एक दंपति ने अपनी पालतू पेकिंगीज नस्ल की पपी लूना को शादी का गवाह बनाया। इस अनूठी पहल ने समारोह में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया और सोशल मीडिया पर भी इसकी खूब चर्चा हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक 38 साल की डायना टुपिजा और 31 साल के एंड्रेस अल्किंगा ने अपनी सिविल मैरिज के दौरान लूना को विशेष सम्मान दिया। शादी समारोह में लूना गुलाबी रंग के आकर्षक ट्यूल गाउन में पहुंची और उसने प्रतीकात्मक विवाह प्रमाणपत्र पर अपने पंजे का निशान भी लगाया। हालांकि यह निशान कानूनी रूप से मान्य नहीं माना जाता, लेकिन दंपति के लिए इसका महत्व बहुत खास है। समारोह के बाद डायना टुपिजा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि लूना का इस खास मौके पर मौजूद होना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा।

**यह शादी केवल दो लोगों की नहीं, पूरे परिवार का उत्सव बन गई, खूब हो रही चर्चा**

वहीं प्रोग्रामर ने कहा कि पालतू जानवर इंसानों की तरह बोल नहीं सकते या सलाह नहीं दे सकते, लेकिन वे निस्वार्थ प्रेम और अपनापन देते हैं। लूना परिवार का अहम सदस्य है और इसलिए उसका शादी में शामिल होना पूरी तरह स्वाभाविक था। दुल्हन की मां लूज लीमा ने बताया कि शुरुआत में उन्हें यह विचार कुछ अलग लगा था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद लूना के लिए विशेष पोशाक तैयार की। उनका कहना था कि समय बदल रहा है और समाज भी नई सोच को अपनाने लगा है।

दंपति ने बताया कि उनके घर में तीन कुत्ते और एक बिल्ली हैं। यदि सभी समारोह में शामिल हो पाते तो खुशी और बढ़ जाती, लेकिन लूना ने पूरे पालतू परिवार का प्रतिनिधित्व किया। इक्वाडोर की सिविल रजिस्ट्री के निदेशक ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि आधुनिक पारिवारिक संरचनाओं को ध्यान में रखते हुए विवाह प्रक्रियाओं में भी बदलाव किए जा रहे हैं।

## पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पांच आतंकी ढेर

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा की पुलिस और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट ने गुरुवार को बन्नू जिले में एक खुफिया सूचना पर केंद्रित अभियान में पांच आतंकवादियों को मार गिराया। उनके पास से राइफलें और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जवानों को देखते ही आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद हुई गोलीबारी में पांच संदिग्ध आतंकवादी मारे गए, जबकि कई अन्य भागने में सफल रहे। मुठभेड़ के बाद पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची और भाग रहे संदिग्धों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। उनके पास से पांच कलाश्निकोव राइफल, दस मैगजीन, पांच बैंडोलियर, दो हैंड ग्रेनेड और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद किया।

# नार्वे के स्वालबार्ड द्वीप पर मरना और जन्म लेना है अपराध

**ओस्लो**

नार्वे का स्वालबार्ड द्वीप, जो आर्कटिक महासागर के बर्फीले इलाके में स्थित है। दुनिया के इस अनोख द्वीप पर मरना और जन्म लेना दोनों ही गैरकानूनी है। बर्फ से ढके पहाड़, चमचमाते ग्लेशियर और बेहद खूबसूरत प्राकृतिक नजारे इसे किसी जन्नत जैसा खूबसूरत बनाते हैं, पर इस स्वर्ग जैसी जगह के कुछ ऐसे कानून हैं, जो इसे पूरी दुनिया में सबसे अलग बना देते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि दुनिया के कई देशों के नागरिक बिना वीजा के स्वालबार्ड जा सकते हैं। हालांकि, यहां पहुंचने के बाद स्थानीय नियमों का पालन करना अनिवार्य हो जाता है। इसीलिए स्वालबार्ड सिर्फ अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए ही नहीं, बल्कि अपने अनोखे कानूनों और रहस्यमयी जीवनशैली के कारण भी पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना रहता है। स्वालबार्ड में किसी व्यक्ति की मौत होने पर उसे वहीं दफनाने की अनुमति नहीं है। इसकी वजह बेहद दिलचस्प है। दरअसल यहां सालभर इतनी कड़ाके की ठंड रहती है कि जमीन हमेशा जमी रहती है। ऐसे में शव दफन भी हो जाएं तो वर्षों तक प्राकृतिक रूप से गल नहीं पाते। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे पुराने वायरस और बैक्टीरिया भी सुरक्षित रह सकते हैं, जो भविष्य में खतरा बन सकते हैं। इसी वजह से अगर कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो जाता है या उसकी हालत नाजुक होती है, तो उसे पहले ही नार्वे की मुख्य भूमि पर भेज दिया जाता है, ताकि जरूरत पड़ने पर वहीं इलाज और अंतिम संस्कार किया जा सके। सिर्फ मौत ही नहीं, स्वालबार्ड में बच्चे का जन्म देना भी संभव नहीं है। यहां कोई आधुनिक मैटर्निटी या डिलीवरी अस्पताल नहीं है।

यही वजह है कि जैसे ही किसी महिला की डिलीवरी का समय नजदीक आता है, उसे मेनलैंड पर भेज दिया जाता है, जहां सुरक्षित तरीके से बच्चे का जन्म कराया जाता है। इस द्वीप की एक और हैरान करने वाली बात यह है कि यहां इंसानों से ज्यादा पोलर बियर रहते हैं। ऐसे में यहां रहने वाले लोग अक्सर बाहर निकलते समय सुरक्षा के लिए हथियार खासकर बंदूकें साथ रखते हैं। कई इलाकों में बिना सुरक्षा के जाना खतरनाक माना जाता है। स्वालबार्ड में शराब खरीदने और पीने पर भी सख्त नियंत्रण है। हर व्यक्ति तय मात्रा में ही शराब खरीद सकता है। इसका मकसद इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और कठिन परिस्थितियों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

# ईरान के बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका-चीन आमने-सामने, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भी चिंतित

**कई मामलों में दोनों एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं, खुली सैन्य भिड़ंत से बचते भी हैं**

**वाशिंगटन**

पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े बढ़ते तनाव ने एक बार फिर वैश्विक शक्तियों अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को तेज कर दी है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित असर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात गंभीर जरूर हैं, लेकिन इन्हें फिलहाल तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत कहना जल्दबाजी होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका लंबे समय से खाड़ी क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है और उसका कहना है कि वह समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा तथा अपने सहयोगी देशों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरी ओर चीन पश्चिम एशिया से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है और क्षेत्र में स्थिरता को अपनी ऊर्जा सुरक्षा तथा आर्थिक हितों के लिए बेहद अहम मानता है। यही कारण है कि दोनों महाशक्तियां इस संकट पर अलग-अलग रणनीतियां अपनाती नजर आ रही हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक चीन अब पश्चिम एशिया में अपनी आर्थिक और कूटनीतिक भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। ईरान के साथ उसके दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग समझौते और ऊर्जा संबंध इस क्षेत्र में उसकी रणनीतिक मौजूदगी को मजबूत करते हैं।

वहीं अमेरिका के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य सहयोगी देशों के साथ लंबे समय से सुरक्षा संबंध हैं। इस कारण दोनों देशों के हित कई मामलों में एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं, हालांकि दोनों ही खुली सैन्य भिड़ंत से बचने की कोशिश करते रहे हैं। रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि वर्तमान स्थिति को अमेरिका और चीन के बीच प्रत्यक्ष युद्ध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं और किसी बड़े युद्ध की कीमत दोनों को भारी पड़ सकती है। इसलिए कूटनीतिक दबाव, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैनाती और क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रणनीति अधिक संभावित मानी जा रही है।

विश्लेषकों का मानना है कि खाड़ी क्षेत्र में जारी संकट निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए गंभीर चुनौती है, लेकिन इसके विश्व युद्ध में बदलने की संभावना सीमित है। यदि क्षेत्रीय संघर्ष नियंत्रण से बाहर होता है और कई देशों की सेनाएं सीधे इसमें शामिल हो जाती हैं, तभी व्यापक वैश्विक टकराव का खतरा बढ़ सकता है। फिलहाल दुनिया की निगाहें कूटनीतिक प्रयासों पर टिकी हैं, क्योंकि किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष का असर ऊर्जा बाजार, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर दूरगामी हो सकता है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला–बुरा कह सकते हैं।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ मे जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

**तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई–मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

## आज का पंचांग

दिनांक : 18 जुलाई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 03:44 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी सायं 06:01 तक
योग : वरियान रात्रि 08:45 तक
करण : बव सायं 04:09 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 11:59 तक
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:53 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:49 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:42 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुप्त नवरात्रि चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 170वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर कल

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट एडम्स हाई स्कूल, राजेंद्रनगर के सहयोग से 170वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 19 जुलाई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक गोल्डन हाइट्स कॉलोनी, राजेंद्रनगर स्थित सेंट एडम्स हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हड्डी रोग, हृदय रोग, ईसीजी, 2–डी इको, बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी), आरबीएस (रक्त शर्करा जांच), रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा संबंधी निशुल्क जांच एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा द्वारा निशुल्क नेत्र जांच (स्क्रीनिंग) की जाएगी। आवश्यकता अनुसार मरीजों को निशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी।

**फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण**

शिविर में डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोड़दास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच की जाएगी। वहीं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान करेंगी। एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा दांतों की निशुल्क जांच एवं आवश्यक परामर्श दिया जाएगा।

**दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, जरूरतमंदों के लिए निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था**

श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दिव्यांगजनों की जांच कर उन्हें आवश्यकतानुसार कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स सहित अन्य सहायक उपकरण (एड्स एवं एप्लायंसेज़) निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, आवश्यक रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था रहेगी।

रोगियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट अवश्य लेकर आएं, ताकि विशेषज्ञ चिकित्सक उनकी स्थिति का बेहतर मूल्यांकन कर उचित परामर्श प्रदान कर सकें।

शिविर का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच स्थल पर अपना निशुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। शिविर दोपहर 2 बजे तक संचालित रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, ईश्वर, मधु एवं मकीम से संपर्क किया जा सकता है।

# निराशा जीवन के लिए जहर समान, आशा सबसे महान दान : कमल मुनि कमलेश

**मैसूरु, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** स्थानकवासी जैन संघ, हल्लदकेरी के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में प्रवचन देते हुए कमल मुनि कमलेश ने कहा कि जो व्यक्ति निराश होकर जीवन जीता है, वह मानो जीवित होते हुए भी मुर्दे के समान जीवन व्यतीत करता है। निराशा साक्षात मृत्यु और जहर के समान है। यह मनुष्य के आत्मबल और मनोबल को तोड़ देती है तथा आत्मा को जन्म–जन्मांतर तक भटकने के लिए विवश कर देती है।

अग्रहार स्थित तेरापंथ भवन के सभागार में आयोजित प्रवचन में उन्होंने कहा कि निराश व्यक्ति भय के वातावरण में जीता है। यह अपने ही ऊपर की जाने वाली एक प्रकार की हिंसा है। ऐसा व्यक्ति कभी सफलता की मंजिल तक नहीं पहुंच सकता। वह तनाव, हृदयघात, उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाता है। उसके जीवन से आनंद, प्रेम, सुख और शांति समाप्त हो जाते हैं तथा चारों ओर अंधकार ही दिखाई देता है।

कमल मुनि कमलेश ने कहा कि किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का संचार करना, उसका उत्साह बढ़ाना, उसकी अंतर्निहित ऊर्जा को जागृत करना और उसे संबल देकर खड़ा करना सबसे महान एवं सर्वश्रेष्ठ धर्म है। यह प्रयास ऑक्सीजन से भी अधिक महत्वपूर्ण है। आशा अमर धन है और इसे प्रदान करना सबसे महान दान है। आशा का अमृत संजीवनी बूटी की तरह कार्य करता है। महापुरुषों ने प्राणिमात्र में आशा का संचार कर ही विश्व में पूजनीय स्थान प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि किसी के मन से आशा की किरण बुझा देना सबसे बड़ा पाप है। यदि कोई व्यक्ति आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा हो और भूल होने पर उसे हतोत्साहित किया जाए, तो यह परमात्मा का अपमान करने के समान है। ऐसे व्यक्ति का किसी भी धर्म में कोई स्थान नहीं है। जो स्वयं आशावादी रहता है और दूसरों को भी आशावादी बनाता है, उसका जीवन कदम–कदम पर तीर्थ बन जाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सक्षम मुनि एवं अक्षत मुनि के मंगलाचरण से हुआ। कौशल मुनि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर अंबेश गुरु सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल पोरवाल, पूर्व सहमंत्री प्रकाश मारू, पीपाड़ा मरुधर केसरी सेवा समिति के वरिष्ठ कार्यकर्ता मदन बोहरा एवं प्रकाश मुथा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मदनलाल मारू, तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, भारतीय जैन संगठना के पूर्व अध्यक्ष विमल पितलिया सहित अनेक श्रद्धालुओं ने संत का अभिनंदन किया।

प्रवचन के अंत में बताया गया कि कमल मुनि कमलेश का अगला प्रवचन 18 जुलाई को तेरापंथ भवन, मैसूरु में आयोजित होगा।

# आचार्य जगच्चंद्रसूरीश्वरजी म.सा. का चातुर्मास प्रवेश कल

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अर्द्ध शत्रुंजय से अलंकृत देवनगरी सिरोही की पुण्यधरा पर 19 जुलाई 2026 को परम पूज्य आचार्य श्री रामसूरिश्वरजी म.सा. (डहेलावाला) के शिष्यरत्न, परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री जगच्चंद्रसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा का भव्य एवं पावन चातुर्मास प्रवेश होगा। जैन रत्न रमेश पुखराजजी तातेड (सिकंदराबाद–सिरोही) ने बताया कि आचार्य भगवंत का पावन सान्निध्य सिरोही की पुण्यभूमि को साधना, आराधना और जिनवाणी के दिव्य प्रकाश से आलोकित करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आचार्य भगवंत का यह प्रथम चातुर्मास समस्त श्रीसंघ के लिए ऐतिहासिक, आध्यात्मिक एवं गौरवपूर्ण अवसर है।

इस पावन चातुर्मास के संपूर्ण लाभार्थी श्रीमती टीपूबाई अभयचंदजी भानाजी परिवार (नारादरा–सिरोही–चेन्नई) हैं। आचार्य भगवंत का भव्य चातुर्मास प्रवेश लाभार्थी परिवार के घांचीवाड़ा स्थित निवास से प्रारंभ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

सिकंदराबाद–हैदराबाद–बोलाराम प्रवासी सिरोही जैन संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र एस. मोदी, संघ के सभी पूर्व अध्यक्षों तथा सदस्यों ने इस पावन अवसर पर समस्त श्रीसंघ एवं लाभार्थी परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए चातुर्मास की मंगलमय सफलता की कामना की।

वक्ताओं ने कहा कि सिरोही की विशेष पहचान विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोगों के बीच प्रेम, सौहार्द, भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना रही है। यही सामाजिक समरसता इस पावन चातुर्मास को और अधिक विशेष, प्रेरणादायी एवं यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# पार्वती देवी व्यास की पुण्यतिथि पर हुआ भव्य अन्नदान, मानव सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं : हरि नारायण व्यास

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर स्व. श्रीमती पार्वती देवी व्यास की पुण्यतिथि के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, सेवा भावना एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में

अस्पताल में उपचाररत मरीजों के परिजनों, जरूरतमंदों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित कर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर स्वर्गीय श्रीमती पार्वती देवी व्यास के पति हरि नारायण व्यास ने अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है, जब वह दूसरों के दुःख को अपना दुःख समझकर उनकी सहायता के लिए आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पार्वती देवी व्यास सदैव धार्मिक प्रवृत्ति, सादगी, करुणा एवं सेवा–भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व की धनी थीं। उनका मानना था कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। उनकी पुण्यतिथि पर अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। हरि नारायण व्यास ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, अनुशासन और निरंतरता के साथ प्रतिदिन अन्नदान एवं सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

इस अवसर पर हरि नारायण व्यास, नकुल व्यास, कीर्ति व्यास, अंजलि केड़िया, भंवरलाल गुप्ता, चिंतन केड़िया, अजय गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, संजय, मनोज डामिया, उमाकांत, उर्मिला, उमा, आशा देवी एवं मनीष अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं सेवा सहयोगी उपस्थित रहे। सभी ने राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर संचालित अन्नदान सेवा की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता की अलख जगाने के साथ–साथ लोगों को परोपकार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देते हैं।

**पेद्दापल्ली के अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) बी. श्रीरामुलु ने शुक्रवार को पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष से शिष्टाचार मुलाकात की।**

## कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर में 6 पदों पर हुई नियुक्ति

पेद्दापल्ली, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी देवस्थानम में अर्चक, डोलू और सन्नाई के रिक्त पदों पर नियुक्ति पत्र वितरण समारोह शुक्रवार को हैदराबाद के रवींद्र भारती में आयोजित हुआ। मंदिर कार्यकारी अधिकारी एस. अंजनारेड्डी द्वारा 18 मई 2026 को आयोजित पात्रता परीक्षा के आधार पर चयनित उम्मीदवारों को बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा और बंदोबस्ती आयुक्त एम. हनुमंत राव, आईएएस ने नियुक्ति पत्र सौंपे। कुल 6 पद भरे गए, जिनमें 5 अर्चक, 1 डोलू और 1 सन्नाई पद शामिल हैं। चयनित उम्मीदवारों में– अर्चक: तिरुनाहारी आकाश, मनोज वकुलभरणम, अरुण कुमार, आश्रित तिरुकोवेला, तिरुकोवेला अजय प्रसाद। डोलू: मंगली सुदर्शन बाबू और सन्नाई: तिरुमाला वेंकट अशोक।

इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी, अधीक्षक सुनील सहित कई अधिकारी और भक्त उपस्थित थे।

## 247 स्टाफ नर्सों को सौंपे गये नियुक्ति पत्र

पेद्दापल्ली, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): श्रम एवं खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी तथा उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने कोमारम भीम आदिवासी भवन में 247 नव नियुक्त स्टाफ नर्सों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह नियुक्ति 15 वर्षों के बाद ईएसआई अस्पतालों में स्टाफ नर्सों की भर्ती है। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने बताया कि सरकार कुल 599 पदों को भरने की प्रक्रिया चला रही है, जिसमें जल्द ही 313 चिकित्सा एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्तियां भी की जाएंगी।

मंत्री ने कहा, हम ईएसआई अस्पतालों में स्टाफ की कमी पूरी तरह दूर करेंगे। उन्होंने नई नर्सों से आह्वान किया कि वे इस नौकरी को सेवा भाव से करें। सरकार रामागुंडम, शमशाबाद और कोठागुडेम में नए ईएसआई अस्पताल बना रही है तथा महबूबनगर में 30 बिस्तरों वाला अस्पताल स्थापित करने जा रही है। नाचारम में ईएसआई नर्सिंग कॉलेज भी जल्द स्थापित किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि ईएसआई वर्तमान में 20 लाख श्रमिकों और 75 लाख लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। लंबित बिलों के भुगतान के लिए 72 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। सरकार का लक्ष्य ईएसआई को देश की सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाना है।

## बांदमपल्ली मिनी टैंक बांध का काम शुरू

पेद्दापल्ली, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): सरकारी सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिन्तकुंटा विजयरमना राव ने बांदमपल्ली मिनी टैंक बांध के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना पर 3 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

विधायक विजयरमना राव ने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुसार यह निर्माण कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब के तटबंध पर एक तार का पुल भी बनाया जाए ताकि क्षेत्र का सौंदर्य बढ़े।

उन्होंने ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेद्दापल्ली शहर का सौंदर्यीकरण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है और तालाब के विकास के लिए अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नुगुल्ला मल्लैया, नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश, पार्षद पुरेल्ला शैलजा सुधाकर, सिंचाई अधिकारी, स्थानीय पार्षद, सरपंच, कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## जुक्कल में नए डाकघर भवन की मांग

**मदनूर, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

जुक्कल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के समाजसेवी एवं भाजपा नेता अजय तम्मेवार ने केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान तम्मेवार ने जुक्कल मंडल मुख्यालय में नए डाकघर भवन की स्वीकृति को लेकर केंद्रीय मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मंत्री को अवगत कराया कि जुक्कल मंडल मुख्यालय पर डाकघर के लिए स्वयं का भवन नहीं होने से कर्मचारियों और आम नागरिकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए नए भवन का निर्माण अति आवश्यक है। इस मामले पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. पेम्मासानी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर जुक्कल में डाकघर भवन के निर्माण को जल्द से जल्द मंजूरी देने का आश्वासन दिया।

## देवापुर के वेंकटापुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मंचेरियाल, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के मंचेरियल जोन के देवापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वेंकटापुर गांव में कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत मेडीलाइफ हॉस्पिटल और सनराइज हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा का ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक स्वागत किया। पुलिस आयुक्त ने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं का विकास हो रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की।

शिविर में जनरल फिजिशियन, स्त्री रोग, ऑर्थोपेडिक्स, सर्जरी, नेत्र रोग, पल्मोनोलॉजी, रेडियोलॉजी सहित विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सेवाएं दीं। रक्तचाप, ब्लड शुगर, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड, 2डी इको जैसी जांचें निःशुल्क कराई गईं।इस अवसर पर मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर, विभिन्न पुलिस अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# जानें महाभारत में छुपे इस अदभूत रहस्य को

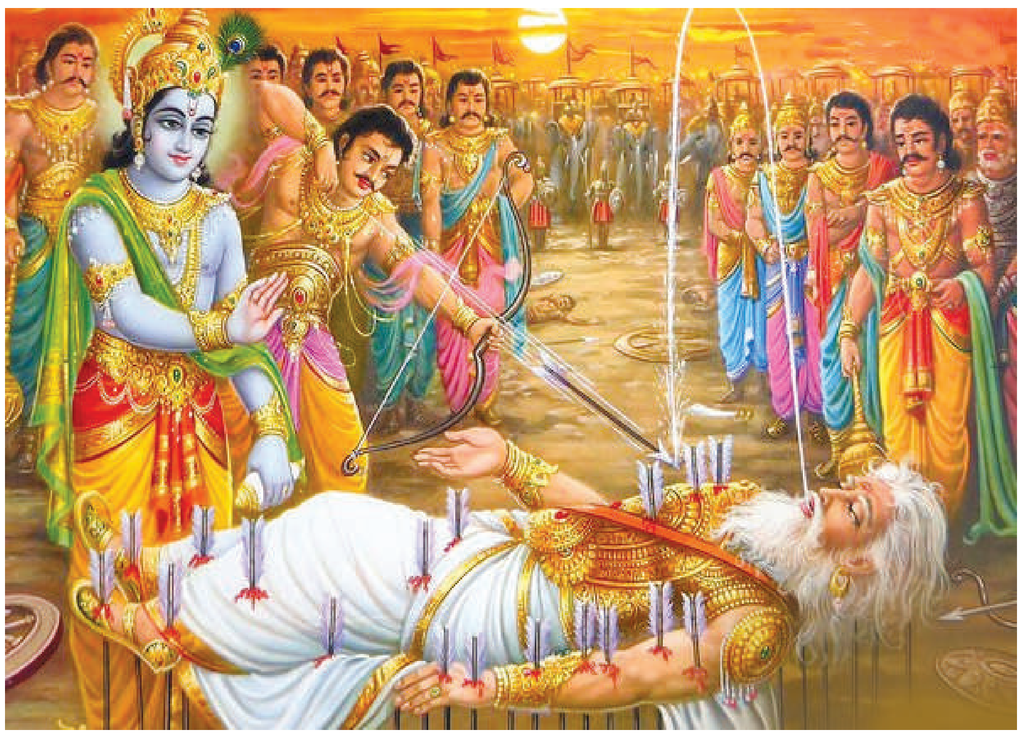

महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं। देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं।

**महाभारत** और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। ऐसा ही एक रहस्य है महाभारत में। यह उस समय की बात है, जब युद्ध में पांडवों ने कौरवों पर विजयश्री प्राप्त कर ली थी और पांडव हस्तिनापुर में सुखपूर्वक जीवन गुजार रहे थे। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं।

देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं। महाराज युधिष्ठिर आपको आपके पिता की आत्मा की शांति के लिए यह यज्ञ करवाना चाहिए।' नारदजी के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने अपने पिता की आत्मा शांति के लिए राजसूय यज्ञ करने की घोषणा की। इसके लिए उन्होंने नारदजी के परामर्श पर भगवान शिव के परम भक्त ऋषि पुरुष मृगा को आमंत्रित करने का फैसला लिया। ऋषि पुरुष मृगा जन्म से आधे पुरुष शरीर के तथा नीचे से उनका पैर मृग का था, लेकिन वे कहां रहते थे यह किसी को पता नहीं था।

किंवदंति अनुसार ऐसे में युधिष्ठिर ने उन्हें ढूंढकर यज्ञ में आमंत्रित करने के लिए भीम को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। भीम अपने बडे भ्राता की आज्ञा का पालन करते हुए ऋषि पुरुष मृगा को खोजने निकल पडे। खोजते-खोजते वे घने जंगलों में पहुंच गए। जंगल में चलते वक्त भीम को मार्ग में हनुमानजी दिखाई दिए जिन्होंने भीम के घमंड को चूर किया। यह कथा तो आपको मालूम ही है। भीम भी पवनपुत्र हैं, इस नाते भीम हनुमानजी के भाई हुए। भीम ने लेटे हुए हनुमानजी को बंदर समझकर उनसे अपनी पूंछ हटाने के लिए कहा। तब बंदर ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह उसकी पूंछ हटा सकता है तो हटा दे, लेकिन भीम उनकी पूंछ हिला भी नहीं पाए। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि यह कोई साधारण बंदर नहीं है। यह बंदर और कोई नहीं, बल्कि हनुमानजी थे। भीम ने यह जानकर हनुमानजी से क्षमा मांगी। भीम ने हनुमानजी को अपने जंगल में भटकने का उदेश्य बताया। कुछ विचार करने के बाद हनुमानजी ने भीम को अपने शरीर के 3 बाल दिए और कहा कि इन्हें अपने पास रखो संकट के समय में ये तुम्हारे काम आएंगे।

भीम ने हनुमानजी के वे 3 बाल अपने पास सुरक्षित रख लिए और चल पडे ऋषि मृगा को ढूंढने। कुछ दूर जाने के बाद ही भीम को भगवान शिव के परम भक्त पुरुष मृगा मिल गए, जो महादेव शिव की स्तुति कर रहे थे। भीम ने उनके पास जाकर उन्हें प्रणाम किया तथा अपने आने का प्रयोजन बताया। इस पर ऋषि पुरुष मृगा भी उनके साथ चलने को राजी हो गए, लेकिन उन्होंने एक शर्त रख दी। पुरुष मृगा ने यह शर्त रखी कि तुम्हें मुझसे पहले हस्तिनापुर पहुंचना होगा, नहीं तो मैं तुम्हें खा जाऊंगा। भीम ने थोडी देर विचार करने के बाद ऋषि पुरुष मृगा की शर्त स्वीकार कर ली। शर्त स्वीकार करने के बाद वे अपनी पूरी शक्ति के साथ हस्तिनापुर की और दौडने लगे। बहुत दूर तक भागते-भागते भीम ने जब पीछे की ओर यह जानने के लिए देखा कि ऋषि पुरुष मृगा कितने पीछे रह गए हैं तो उन्होंने पाया कि ऋषि तो बस उन्हें पकडने ही वाले हैं। यह देख भीम चौंक गए और घबराकर अपनी पूरी शक्ति के साथ शीघ्रता से भागने लगे। लेकिन हर बार पीछे देखने पर उन्हें ऋषि मृगा उनके बिलकुल पास नजर आते थे।

भागते-भागते तभी भीम को हनुमानजी के दिए उन 3 बालों की याद आ गई। हनुमानजी ने कहा था कि संकट काल में ये तुम्हारे काम आएंगे। भीम ने उनमें से एक बाल दौडते-दौडते जमीन पर फेंक दिया। वह बाल जमीन में गिरते ही लाखों शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। भगवान शिव के परम भक्त होने के कारण ऋषि पुरुष मृगा मार्ग में आए प्रत्येक शिवलिंग को प्रणाम करते हुए आगे बढने लगे। इसके चलते भीम को दूर तक भागने का मौका मिल गया। कुंती पुत्र भीम लगातार भागते रहे। फिर जब भीम को लगा कि ऋषि अब फिर से उन्हें पकड ही लेंगे तो उन्होंने फिर से एक बाल गिरा दिया और वह बाल भी बहुत से शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार से भीम ने ऐसा 3 बार किया।

अंत में जब भीम हस्तिनापुर के द्वार में घुसने ही वाले थे कि ऋषि पुरुष मृगा उन्हें पकडने के लिए दौडे और उन्हें पकड ही लिया था कि तभी भीम ने छलांग लगाई और उनका बस पैर ही द्वार के बाहर रह गया था। इस पर पुरुष मृगा ने उन्हें पकडते हुए खाना चाहा,लेकिन उसी दौरान भगवान कृष्ण और युधिष्ठिर द्वार पर पहुंच गए। दोनों को देखकर युधिष्ठिर ने भी पुरुष मृगा से बहस करनी शुरू कर दी। तब युधिष्ठिर से पुरुष मृगा ने कहा कि शर्त अनुसार इसका पैर द्वार के बाहर ही था अत: यह पहुंच नहीं पाया। ऐसे में मैं इसे खाऊंगा। फिर भी हे धर्मराज तुम न्याय करने के लिए स्वतंत्र हो। ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने ऋषि पुरुष मृगा से कहा कि भीम के केवल पैर ही द्वार के बाहर रह गए थे, बाकी संपूर्ण शरीर तो द्वार के अंदर ही है अत: आप भीम के केवल पैर ही खा सकते हैं।

ऐसा सुनकर युधिष्ठिर के न्याय से ऋषि पुरुष मृगा प्रसन्न हुए तथा उन्होंने भीम को जीवनदान दे दिया। इसके बाद ऋषि ने यज्ञ संपन्न करवाया और सबको आशीर्वाद भी दिया।

# क्यों, माता आद्या शक्ति की पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार, आद्या शक्ति माँ, भगवान् विष्णु के अन्तः कारण की शक्ति हैं, योगमाया शक्ति हैं, तथा प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से संपूर्ण ब्रहमाण्ड के उत्पत्ति के कारक हैं। भगवान ब्रहमा और शिव, की उत्पत्ति भी इन्हीं के अनुसार ही हुई हैं।

**सृष्टि** के संचालन हेतु, भगवान विष्णु पालनहार, ब्रहमा रचनाकार, तथा शिव संहारक हुए। क्रमश: तीनो महा देव, तीन प्राकृतिक गुणों के कारक बने, सत्व गुण, रजो गुण तथा तमो गुण, संपूर्ण ब्रहमाण्ड का संचालन इन्हीं गुणों के द्वारा ही होता हैं, परन्तु इन कार्यों में इच्छा शक्ति, माता आदि शक्ति की ही होती हैं। इनकी पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है ।

त्रि-देवो के अनुसार इन की, जीवन संगिनी भी इन कार्यों में संलग्न रहती हैं। त्रि-देवियाँ या महा-देवियाँ, महा लक्ष्मी, महा सरस्वती तथा महा काली के रूप में, त्रि-देवो की जीवन संगिनी तथा सहायक हैं। महा लक्ष्मी के रूप में ये भगवान विष्णु कि सात्विक शक्ति हैं, महा सरस्वती के रूप में ये ब्रहमा जी की राजसिक शक्ति हैं तथा सती अथवा पार्वती के रूप में ये शिव के तामसी शक्ति हैं। काली कुल की देवियाँ प्राय, घोर भयानक स्वरूप तथा उग्र स्वाभाव वाली होती हैं तथा इन का सम्बन्ध काले रंग से होता हैं, इस के विपरीत श्री कुल के देवियाँ सौम्य तथा कोमल स्वाभाव की तथा लाल रंग से सम्बंधित होती हैं। महा कालीश्मशान के भयानक वातावरण में, शिव की छाती पर पैर रख मग्न रहने वाली, भयानक, घोर-रूपा शक्ति ''महा काली'' के नाम से जाानी जाती हैं। आदि काल में, जब कुछ भी व्याप्त नहीं था, केवल चारो ओर अंधकार ही अंधकार दृष्टि-गोचर होता था, व्याप्त अंधकार से एक शक्ति उत्पन्न हुई, जिस का नाम काली पडा। अंधकार से जन्मा होने के परिणाम स्वरूप, ये शक्ति तमोगुणी तथा काले वर्ण वाली हैं। वे दिव्य स्वरूप वाली, हजारों चन्द्रमा के किरणों से प्रतिबिंबित कांति वाली प्रतीत होती हैं। इन्हीं की इच्छा शक्ति ने इस संपूर्ण चराचर जगत को उत्पन्न किया हैं तथा सभी को अपने कर्मों का फल प्रदान करने वाली हैं। प्रलय काल मैं ये स्वयं महाकाल का भी भक्षण करने मैं समर्थ हैं। भगवान विष्णु के योग निमग्न रहते हुए, उदित होने वाली तामसी शक्ति, स्वयं आद्या शक्ति हैं जो संहारक हैं तथा महा माया काली के नाम से विख्यात हैं।

# यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है

''ऊँ नम शिवाय'' यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। 'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। भगवान शिव को आदि देव माना जाता है। हिन्दू मान्यतानुसार भगवान शिव संहार करने वाले माने जाते हैं। जो इस संसार में आता है उसे जाना भी होता है और भगवान शिव इसी कार्य के कर्ता माने जाते हैं। शिव है धर्म की जड। शिव से ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष है।

**शिव का रूप :** शिव यक्ष के रूप को धारण करते हैं और लंबी-लंबी खूबसूरत जिनकी जटाएँ हैं, जिनके हाथ में 'पिनाक' धनुष है, जो सत् स्वरूप हैं अर्थात् सनातन हैं, यकार स्वरूप दिव्यगुणसम्पन्न उज्जवलस्वरूप होते हुए भी जो दिगम्बर हैं। जो शिव नागराज वासुकि का हार पहिने हुए हैं, वेद जिनकी बारह रुद्रों में गणना करते हैं, पुराण उन्हें शंकर और महेश कहते हैं उन शिव का रूप विचित्र है। अर्धनग्न शरीर पर राख या भभूत मले, जटाधारी, गले में रुद्राक्ष और सर्प लपेटे, तांडव नृत्य करते हैं तथा नंदी जिनके साथ रहता है। उनकी भृकुटि के मध्य में तीसरा नेत्र है। वे सदा शांत और ध्यानमग्न रहते हैं। इनके जन्म का अता-पता नहीं हैं। वे स्वयंभू माने गए हैं।

**भगवान शिव का मंत्र**

''ऊँ नम शिवाय''यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। 'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव के दो विवाह हुए। दोनों ही बार उनका विवाह भगवती के अवतारों से हुआ। पहला राजा दक्ष की पुत्री सती के साथ और दूसरा हिमालय पुत्री देवी पार्वती के साथ। शिवजी के दो पुत्र माने गए हैं कार्तिकेय और भगवान गणेश। कई जगह शिवांशों यानि शिव के अंशो का वर्णन किया गया जिनमें अंधक नामक शिवांश सबसे प्रमुख हैं।

**शिव महिमा :** शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर को जो वरदान दिया था उसके जाल में वे खुद ही फँस गए थे। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने दक्ष के यज्ञ को नष्ट कर दिया था। ब्रहमा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रहमा को शापित कर विष्णु को वरदान दिया था। शिव की महिमा का वर्णन पुराणों में मिलता है।

**शिव के प्रमुख नाम :** शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहाँ प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

**शिवलिंग :** विश्व कल्याण के लिए भगवान शिव संसार में शिवलिंग के रूप में विद्यमान हैं। भारत में कई जगह शिवलिंग पाए जाते हैं। भारत में बारह अहम ज्योतिर्लिंग हैं जहां भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं।

**ज्योतिर्लिंग :** ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएँ प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रहमात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रहम, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

**शिव निवास :** तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर प्रारम्भ में उनका निवास रहा। वैज्ञानिकों के अनुसार तिब्बत धरती की सबसे प्राचीन भूमि है और पुरातनकाल में इसके चारों ओर समुद्र हुआ करता था। फिर जब समुद्र हटा तो अन्य धरती का प्रकटन हुआ। जहाँ पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रहमाजी का स्थान है। ऐसा पुराण कहते हैं। काशी मान्यतानुसार भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत पर है। लेकिन उनकी प्रिय नगरी है काशी। पुराणों के अनुसार काशी के कण-कण में शिव विराजमान हैं।

**शिव की प्रिय वस्तुएं : रुद्राक्ष :** भगवान शिव के आभूषणों में रुद्राक्ष का अहम महत्व है। मान्यता है कि त्रिपुरासुर नामक राक्षस के वध के बाद भगवान शिव के नेत्रों से गिरे अश्रु बिन्दुओं से वृक्ष उत्पन्न हुए और रुद्राक्ष के नाम से प्रसिद्ध हुए।

**भस्म :** भगवान भोलेनाथ भस्मी में रमते हैं। मान्यता है कि शिवजी की पूजा भस्म के बिना पूर्ण नहीं होती।

**बेलपत्र :** भगवान शंकर का एक नाम भोलेनाथ भी है क्योंकि वह बहुत जल्दी किसी की भी मनोकामना पूर्ण कर देते हैं। उनकी पूजा में छत्तीस भोग नहीं लगते वह तो मात्र भांग, धतूरे और बेलपत्र के चढावे से प्रसन्न हो जाते हैं।

# कितनी छड़ वाली विंड चाइम्स कहां और क्यों लगाएं?

**फेंगशुई** भारतीय वास्तु शास्त्र का चीनी रूपांतरण है। फेंगशुई की पवन घंटी (विंड चाइम्स) सर्वाधिक चलन में है।

दरअसल विंड चाइम या पवन घंटी से जो मधुर ध्वनि निकलती है वह पूरे घर में फेंगशुई के अनुसार ची की सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाहित करती है। इसलिए घर में विंड चाइम लगाते हैं। घर या आफिस के लिए फेंगशुई में अलग-अलग प्रकार की विंड चाइम के बारे में बताया गया है तो आइये जानते है कि घर या आफिस के कौन से कमरे या स्थान के लिए किस प्रकार की विंड चाइम उपयुक्त रहेगी।

नीचे विंड चाइम्स के कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिनसे आप भी अपने घर को समृद्धशाली बना सकते हैं-

- पांच छड़ वाली विंड चाइम का प्रयोग अध्ययन कक्ष में लगाने से वहां के सभी वास्तु दोष समाप्त हो जाते हैं।
- छह छड़ों वाली विंड चाइम को ड्राइंग रूम में लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा निकलती है तथा पूरे घर में फैलती है।
- सात छड़ों वाली विंड चाइम बच्चों के कमरे में लटकानी चाहिए। यह शुभ होती है।
- आठ छड़ों वाली विंड चाइम का प्रयोग कार्यालय में करना बेहतर होता है।
- अगर परिवार के सदस्यों को बार-बार निराशा का सामना करना पड़ रहा है तो ड्राइंगरूम में नौ छड़ों वाली विंड चाइम लगानी चाहिए। इससे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

# घर में गणेशजी की प्रतिमा बढ़ाती है धन-दौलत

**शास्त्रों** के अनुसार प्रथम पूज्य श्री गणेश को परिवार का देवता माना गया है। परिवार की किसी भी प्रकार की परेशानी के लिए गणेशजी की आराधना श्रेष्ठ उपाय है। वहीं वास्तु में भी श्री गणेश की प्रतिमा को वास्तुदोष दूर करने का अचूक उपाय बताया गया है।

वास्तु के अनुसार घर में विघ्न विनाशक श्री गणेश की प्रतिमा रखना बहुत शुभ माना जाता है। जहां गणेशजी की प्रतिमा रहती है उस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का वास्तुदोष सक्रीय नहीं हो पाता।

साथ ही घर के आसपास भी नकारात्मक ऊर्जा भी प्रभाव नहीं दिखा पाती। इनकी प्रतिमा के शुभ प्रभाव से परिवार के सभी सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ मिलता है और सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

घर में श्रीगणेश की प्रतिमा कहां रखनी चाहिए? इस संबंध में वास्तु के अनुसार इनकी मूर्ति ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में लगानी चाहिए। नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम) में श्रीगणेश की मूर्ति शुभ प्रभाव नहीं देती।

घर के पूजन स्थल पर गणेशजी की बाएं हाथ की ओर सूंड वाली मूर्ति बहुत शुभ मानी जाती है। घर में जहां वास्तु दोष हो वहां सिंदूर से स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं। साथ घर के मुख्य द्वार गणेशजी की प्रतिमा या उनका प्रतिक चिन्ह स्वस्तिक बनाएं।

# प्राचीन नगरी उज्जैन में स्थित हैं भगवान महाकालेश्वर

उज्जैन का इतिहास गौरवमय और प्राचीन है। यहां पर खुदाई में तीन हजार वर्ष पुराने अवशेष मिले हैं। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह कितना प्राचीन नगर है। उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर के लिंग की गणना भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में की जाती है। दक्षिणमुखी शिवलिंग होने के कारण यह तंत्र साधना के लिए विशेष महत्व रखता है।

उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर का कलात्मक विशाल शिवलिंग है। यह शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है। ज्योतिर्लिंग के कक्ष में ज्योतिर्लिंगों के अलावा गणेश, कार्तिकेय और माता पार्वती की श्वेत मूर्तियां हैं। मुख्य मंदिर तीन खंडों में निर्मित है। सबसे नीचे के खंड में महाकालेश्वर आसीन हैं। उसके ऊपर के खंड में ओंकारेश्वर शिव का मंदिर है तथा तीसरे खंड में नागचन्द्रेश्वर हैं। जिनके पट श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु वर्ष में सिर्फ एक बार नागपंचमी के दिन खोले जाते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर के पास ही गणेश जी की विशाल मूर्ति है। यह मूर्ति आधुनिक होते हुए भी आकर्षक और सुंदर है। मंदिर के बीच में पंचमुखी हनुमान जी की सप्त धातु से बनी मूर्ति है। मंदिर में अनेक देवी-देवताओं की मूर्तियां विद्यमान हैं।

उज्जैन नगर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर क्षिप्रा नदी के किनारे भैरवगढ़ बस्ती है। यहां पर एक टीले पर काल भैरव का मंदिर है। भैरवाष्टमी को यहां विशाल मेला लगता है। भैरवगढ़ नाम इन्हीं भैरव के कारण पड़ा। काल भैरव की मूर्ति भव्य और विशाल है। इस मंदिर को राजा भद्रसेन ने बनवाया था।

उज्जैन रेलवे स्टेशन से लगभग आठ किलोमीटर दूर कालिया देह महल है। 16वीं शताब्दी में मालवा के सुलतान नासिरूद्दीन खिलजी ने सूर्य नारायण के मंदिर को तुड़वाकर उसके स्थान पर पठानी ढंग का यह महल बनवाया था। यहां सूर्यकुंड और ब्रह्मकुंड को तुड़वाकर छोटे-छोटे 52 कुंड बनवाये थे। जब अकबर बादशाह इस स्थान पर आया था उसी समय मुगलिया ढंग का एक दालान बनवाया गया था। वर्षों तक इस सुंदर महल और रमणीय स्थल की ओर किसी का ध्यान नहीं गया और यह स्थल उजड़ने लगा था बाद में सिंधिया परिवार ने इस महल का जीर्णोद्धार करवाया।

उज्जैन नगर भारतीय ज्योतिष का भी मुख्य केन्द्र रहा है। हजारों वर्ष पहले राजा जयसिंह ने यहां एक यंत्र महल बनवाया था जिसे वैधशाला और जंतर मंतर कहा जाता है। उज्जैन में संदीपनी आश्रम, श्री मंगलनाथ मंदिर, चिंतामन गणेष मंदिर, संतोषी माता मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

उज्जैन मालवा के बीच में स्थित होने के कारण देश का नाभिस्थल कहलाता है। उज्जैन नगर पश्चिम रेलवे का प्रमुख स्टेशन है। यहां से भोपाल, रतलाम, इंदौर, नागदा आदि स्टेशनों को जाने वाली गाड़ियां मिलती हैं। उज्जैन सड़क मार्ग से भी जुड़ा हुआ है। बस या अपने निजी वाहन से यहां सुगमता से पहुंचा जा सकता है। यहां यात्रियों के ठहरने के लिए सैंकड़ों होटल, लॉज और धर्मशालाएं हैं। मध्य प्रदेश राज्य परिवहन द्वारा बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए उज्जैन दर्शन की प्रतिदिन व्यवस्था की गई है।

# फास्ट फूड खाने से हो सकता है संक्रमण

फास्ट फूड से केवल मोटापे और अधिक वजन का खतरा नहीं होता। इससे संक्रमण भी हो सकता है। हाल में मैक्सिको के एक लोकप्रिय फास्ट फूड श्रृंखला की स्टर्लिंग (वर्जीनिया) स्थित फ्रेंचाइजी को उस समय बंद करने की नौबत आ गई जब उसके उत्पाद में नोरोवायरस के संक्रमण की शिकायत सामने आई। इस घटना के बाद विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर आप फास्ट फूड ले ही रहे हैं तो क्या-क्या सावधानी बरतें

## आप भी खाते हैं तो...

### कच्ची सब्जियां, अधपके खाद्य से बचें

कई लोग सोचते हैं कि बर्गर की बजाय सलाद या सब्जियां लेने से फास्ट फूड से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। लेकिन रेस्टोरेंट में मिलने वाले ऐसे उत्पादों से किसी हानिकारक जीवाणु का संक्रमण हो सकता है। इसलिए कच्ची सब्जियों वाले सलाद या अधपके खाद्य न लें। जो भी चीज से गर्मागर्म लें।

### खाद्य को बनता हुआ देखें

जहां से भी आप फास्ट फूड लें, वहां उसके बनने की प्रक्रिया को देखना सुनिश्चत करें। इससे आप जान सकेंगे कि आप जो चीज खाने वाले हैं उसको बनाने में स्वच्छता के आवश्यक मानकों का पालन किया गया है या नहीं। मसलन खाद्य तैयार करने वाले ने दस्ताने पहन रखे थे या नहीं ।

### हेपेटाइटिस का टीका लें

किडनी को प्रभावितत करने वाला हेपेटाइटिस ए वायरस खाद्य और पानी के जरिये फैलता है। अब बच्चे को बचपन में कई टीके लगाए जाते हैं। लेकिन 14-15 की उम्र के बाद अमूमन ऐसा नहीं होता। ऐसे में आपका खाद्य बनाने वाले से या सीधे खाद्य से हेपेटाइटिस ए के पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है

### जगह का चुनाव अहम

किसी भी तरह का खाद्य लेने के सिलसिले में जगह का चुनाव अहम है। अर्थात यह तय करें कि आप जिस जगह से खाद्य साम्रगी ले रहे हैं वह साफ-सुथरी होनी चाहिए। इसके बावजूद अगर कोई कमजोरी महसूस कर रहा है या बीमार पड़ता है तो उसको डॉक्टर से तुरंत दिखाना चाहिए।

### नोरावायरस का संक्रमण

स्टर्लिंग स्थित एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट में बीते सोमवार खाना खाने के बाद करीब 60 लोगों को मितली, उल्टी और दस्त की शिकायत हुई थी। ये सब नोरोवायरस से संक्रमण के लक्षण थे। साल 2015 में भी कुछेक फास्ट फूड उत्पादों से ई-कोलाई के संक्रमण के मामले कई बार सामने आए थे।

### नोरोवायरस क्या है

» यह बेहद संक्रामक वायरसों के समूह का सामूहिक नाम है

» मितली, उल्टी व दस्त इसके संक्रमण के सामान्य लक्षण हैं

» इसको ठंड के दिनों में फैलने वाला वायरस माना जाता रहा है

» पर अक्तूबर से मार्च के दौरान भी इसका प्रसार देखा गया है

» इसका संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है

# बालों में तेल की बजाय घी लगा कर देखें

## काफी लाभ होगा

सेहत के लिए फायदेमंद घी में पोषक तत्वों की भरमार है। आपने खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए तो खूब घी खाया होगा। लेकिन क्या कभी बालों की चमक और लंबाई बढ़ाने के लिए घी बालों में लगाया है? अगर नहीं, तो फिर देर ना करें... घी के चमत्कारिक गुण सिर्फ ज़ायका ही नहीं बालों की सुंदरता भी बढ़ाते हैं। घी बालों के लिए वरदान समान है। घी की मालिश करने से बाल जल्दी बढ़ते हैं। अगर बालों की प्राकृतिक चमक बरकरार रखना चाहती हैं तो घी जरूर लगाएं। ऐसा करने से आपके बाल यकीनन ही लंबे, मुलायम और घने हो जाएंगे। घी को बालों में रोजाना लगाना जरूरी नहीं है, 10-15 में एक बार ही घी से बालों की मसाज करें।

### जानते हैं बालों में घी की मालिश करने के फायदे

1. बालों की रूसी मिटाने के लिए अनेकों कोशिशें कर हार चुकी हैं तो कहीं दूर नहीं, बस किचन तक जाने की जरूरत है। बालों की जड़ों में घी और बादाम के तेल की मालिश करें। ये नुस्ख़ा आजमाने से रूसी के साथ स्केल्प से ड्राइनेस भी दूर हो जाएगी।
2. बाल काढ़ते वक्त अगर बेहद उलझते और टूटते हैं तो घी में थोड़ा जैतून का तेल मिलाकर मालिश करना फायदेमंद साबित होगा।
3. बेजान और रुखे बालों की प्राकृतिक चमक वापस लाने के लिए घी को गुनगुना गर्म करें फिर बालों की जड़ों में अच्छे से मसाज करें।
4. दोमुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए घी की मसाज करें, यकीन मानिए इससे बालों को काफी फायदा होगा।
5. लंबे बालों की चाहत को हकीकत में बदलना चाहती हैं तो आज से ही बालों की जड़ों में घी की मालिश करें।

सुझाव

# ब्लैक हेड्स दूर करने के घरेलू नुस्खों

कई बार ऐसा होता है कि आप अपनी त्वचा का खास ख्याल रखते हैं फिर भी ब्लैक हेड्स की समस्या पैदा हो जाती है। चेहरे पर होने वाले ब्लैक हेड्स ना सिर्फ आपकी खूबसूरती को बिगाड़ते बल्कि त्वचा के लिए भी नुकसानदेह हो सकते हैं। ऐसे में आपको त्वचा का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ब्लैक हेड्स की समस्या आमतौर पर धूल-मिट्टी, हाइजीन की कमी, स्ट्रेस, नींद पूरी न होना और पोषण की कमी के चलते होते हैं।ब्लैक हेड्स की समस्या को दूर करने के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इन्हें कभी भी दबाकर न निकालने की गलती ना करें। इससे त्वचा पर निशान पड़ जाते हैं जो बड़ी मुश्किल से जाते हैं। न सिर्फ ब्लैकहेड्स बल्कि वाइटहेड्स और पिंपल्स को भी कभी ऐसे नहीं निकालना चाहिए। इसके बाद इन निशानों को दूर करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

इन उपायों को अपनाने के बाद ब्लैक हेड्स की समस्या से निजात पा सकते हैं। ये उपाय पूरी तरह से सुरक्षित और असरकारी भी हैं।

- शहद को हल्का गर्म करें और 10 से 15 मिनट तक ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर लगाएं और फिर पानी से धो लें।
- तीन चम्मच पानी में तीन चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और त्वचा पर कुछ मिनटों के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर इसे हल्के गर्म पानी से साफ करें।
- दिन में तीन बार ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर नींबू का रस लगाएं, इससे भी ब्लैकहेड्स साफ हो जाते हैं।
- ओट्स और गुलाब जल मिलाकर मास्क बनाएं और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे पानी से साफ कर लें।
- कच्चे आलू की स्लाइस से ब्लैकहेड्स वाली त्वचा पर हल्की मसाज करें। इससे ब्लैकहेड्स हट जाते हैं और त्वचा साफ रहती है।
- अंगूर को अच्छे से मैश करके पेस्ट बना लें और उसे ब्लैक हेड्स के ऊपर लगाएं और 15-20 मिनट तक सूखने दें और उसके बाद गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें।
- ब्लैक हेड्स पर अंडे का सफेद भाग लगाएं और थोड़ी देर के बाद जब ये सूख जाए, तो चेहरे को बेसन से साफ कर लें।
- रात को सोने से पहले अपने चेहरा को साफ करना न भूलें। इससे त्वचा पर मुंहासे और ब्लैक हेड्स नहीं होंगें।
- ब्लैक हेड्स से छुटकारा पाने के लिए खीरे के रस में नींबू के रस की कुछ बूंदे मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।
- धनिया की पत्तियों को कर पेस्ट बना लें और अब इस पेस्ट में थोडा हल्दी पाउडर मिला कर एक पेस्ट बनाकर तैयार करें और उसे ब्लैकहेड्स के ऊपर लगा दें। ऐसा करने से ब्लैकहेड्स जड़ से दूर हो जायेंगे।
- हफ्ते में एक बार जरूर चेहरे पर फेस स्क्रब का इस्तेमाल जरूर करें। चेहरे को स्क्रब करने से त्वचा पर जमी धूल-मिट्टी साफ हो जाती है। और त्वचा से ब्लैक हेड्स भी साफ हो जाते हैं।
- चेहरे से ब्लैकहेड को हटाने के लिये आप मैश किया हुआ केला या फिर केले के छिलके को चेहरे पर रगड़ कर इस्तेमाल कर सकते हैं।

# औषधीय गुणों से भरपूर है स्वास्थ्यवर्धक त्रिफला

त्रिफला तीन श्रेष्ठ औषधियों हरड, बहेडा व आंवला को मिलाकर बना मिश्रण है। यह प्रकृति का अनमोल उपहार है। त्रिफला सर्व रोगनाशक, रोग प्रतिरोधक और आरोग्य प्रदान करने वाली औषधि है। त्रिफला एंटी-बायोटिक और एंटी-सेप्टिक भी है। त्रिफला का प्रयोग शरीर में वात, पित्त और कफ का संतुलन बनाए रखता है। यह रोजमर्रा की आम बीमारियों के लिए बहुत प्रभावकारी औषधि है फिर चाहे वह सिर का रोग हो या चर्म रोग, रक्त दोष हो मूत्र रोग या फिर पाचन संस्थान संबंधी रोग। यह सभी रोगों का रामबाण है। त्रिफला के स्वास्थ्य लाभ

### प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और इसके कारण वह बार-बार बीमार पड़ते है। उन लोगों को त्रिफला का सेवन करना चाहिए। त्रिफला के सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है । जिससे शरीर को बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है। प्रतिरोधक क्षमता से शरीर बाहरी तत्वों के खिलाफ आसानी से लड़ सकता है। त्रिफला, शरीर में एंटीबॉडी के उत्पादन को बढ़ावा देता है । जो शरीर में एंटीजन के खिलाफ लड़ते है और बॉडी को बैक्टीरिया मुक्त रखते है।

### पेट के रोगों के लिए अमृत

त्रिफला की तीनों जड़ीबूटियां आंतरिक सफाई को बढ़ावा देती हैं। त्रिफला के चूर्ण को गौमूत्र के साथ लेने से अफारा, उदर शूल, प्लीहा वृद्धि आदि अनेकों तरह के पेट के रोग दूर हो जाते है।

### कब्ज में कारगर

कब्ज की समस्या होने पर त्रिफला बेहद कारगर होता है। इसे खाने से कब्ज की काफी पुरानी समस्या भी दूर भाग जाती है। रात को सोते समय त्रिफला चूर्ण हल्के गर्म दूध अथवा गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है। अथवा त्रिफला को भूसी के दो चम्मच मिलाकर शाम को गुनगुने पानी से लेने से भी कब्ज दूर होती है।

### हीमोग्लोबिन बढ़ाए

अगर आपको एनीमिया से पीड़ित है। तो त्रिफला का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। नियमित रूप से त्रिफला का सेवन करने से शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बढ़ती है। जिससे शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ने लगता है।

### नेत्रज्योति बढ़ाएं

त्रिफला के सेवन से नेत्रज्योति में आश्चर्यजनक वृद्धि होती है। इसके लिए आप शाम को एक गिलास पानी में एक चम्मच त्रिफला भिगो दें । सुबह इसको अच्छे से मसलकर और छानकर इस पानी से आंखों को धोएं। ऐसा करने नेत्रों की ज्योति बढती है। इसके अलावा सुबह पानी में त्रिफला चूर्ण भिगो कर रख दें, शाम को छानकर पी ले। शाम को उसी त्रिफला चूर्ण में पानी मिलाकर रखें, इसे सुबह पी लें। इस तरह से करने से आंखों की किसी भी प्रकार की समस्या कुछ ही समय में ठीक हो जाती है।

### एंटी-ऑक्सीडेंट है त्रिफला

त्रिफला में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण उम्र के असर को बेअसर करते है। त्रिफला के सेवन से उम्र बढ़ाने वाले कारक कम होते है। जिसके कारण आप उम्र से ज्यादा जवां दिखते हैं।

### डायबिटीज के लिए उपयोगी

डायबिटीज के उपचार में त्रिफला बहुत प्रभावी होता है। यह पेनक्रियाज को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे इंसुलिन की मात्रा उत्पन्न होती है और शरीर इंसुलिन की उचित मात्रा और शर्करा के स्तर को बनाए रखता है।

### मुंह की दुर्गन्ध दूर करें

अगर आप मुंह से आती की दुर्गन्ध से परेशान है तो त्रिफला आपके लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। इसके लिए एक चम्मच त्रिफला को एक गिलास ताजे पानी मे दो-तीन घंटे के लिए भिगो दे, इस पानी को घूंट भर मुंह में थोड़ी देर के लिए डाल कर अच्छे से कई बार घुमाये और इसे निकाल दें। इसके अलावा कभी कभार त्रिफला चूर्ण से मंजन भी करें इससे मुंह आने की बीमारी, मुंह के छाले ठीक होंगे, अरूचि मिटेगी और मुंह की दुर्गन्ध भी दूर होगी।

### सिरदर्द दूर भगाएं

इस समस्या से बचने के लिए त्रिफला आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए त्रिफला, हल्दी, नीम की छाल और गिलोय इन सब को पानी में तब तक पकाएं जब तक कि पानी आधा रह जाए। बाद में इसे छानकर कुछ दिन तक सुबह शाम गुड या शक्कर के साथ सेवन करने से सिर दर्द कि समस्या दूर हो जाती है।

### त्वचा की समस्याओं में मददगार

त्वचा संबंधी समस्या होने पर त्रिफला काफी मददगार होता है। त्रिफला, बॉडी से विषाक्त पदार्थो को बाहर निकाल देता है जिससे ब्लड साफ होता है और त्वचा पर होने वाली समस्याओं से आसानी से दूर हो जाती है। शरीर में किसी प्रकार के संक्रमण को होने से भी रोकता है।

जानकारी

# इन चीजों में छिपा है पुरूषों के फिटनेस का राज

फिटनेस पाना आपकी चाहत तो होती है, लेकिन क्या आप उसके लिए मेहनत भी करते हैं। जानिए कैसे पुरुष कुछ आसान तरीकों को अपनाकर फिटनेस का खजाना हासिल कर सकते हैं। फिटनेस को लेकर हमारे समाज में जागरुकता का अभाव साफ देखा जा सकता है। किसी के लिए फिटनेस का अर्थ जिम जाकर बॉडी बनाना होता है, तो किसी के लिए फिटनेस का अर्थ बस किसी तरह मोटापे की गिरफ्त से दूर रहना भर ही होता है। इस लेख के जरिये हम जानेंगे कि आखिर फिटनेस है क्या और पुरुष कैसे इस फिटनेस को हासिल कर सकते हैं। फिटनेस का अर्थ अच्छी बॉडी होना भर ही नहीं है। फिटनेस शारीरिक और मानसिक दोनों पैमानों पर परखी जानी चाहिए। बेशक किसी का शरीर पतला हो, लेकिन अगर वह रोगमुक्त है और मानसिक रूप से शांत है, तो उसे अनफिट तो नहीं कहा जा सकता।

**आहार है आधार:** फिटनेस के लिए जरूरी है कि आहार और व्यायाम के बीच सही संतुलन बनाया जाए। आहार ऐसा होना चाहिए । जिससे आपको पूरा पोषण मिले। आहार आपके तन मन को ऊर्जा प्रदान करने वाला होना चाहिए। हृदयघात के खतरे को कम करने के लिए एक्सरसाइज के साथ ही आप अपने खान-पान के तौर-तरीके को भी बदले। भोजन में सेचूरेटेड फैट, अधिक मात्रा में नमक और फैटी डेयरी प्रोडक्ट का प्रयोग कम कर दे। इसके बदले में अपने भोजन में प्रचुर मात्रा में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करे।

**व्यायाम रखे बीमारियों से दूर:** व्यायाम व्यक्ति को कई बीमारियों से दूर रखता है। नियमित तौर पर व्यायाम करने से हृदय रोग और स्मरण शक्ति ह्रास से बचा जा सकता है। इसके साथ व्यायाम डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हृदृयघात, कॉलोन कैंसर और तनाव को भी नियंत्रित करता है। कई शोध इस बात को प्रामाणित कर चुके हैं कि नियमित व्यायाम करने वाले लोगों को बीमारियों का खतरा कम रहता है। वहीं शारीरिक रूप से कम सक्रिय रहने वाले लोगों को रोगग्रस्त होने की आशंका अधिक होती है।

### अच्छा मूड बनाए रखें

तनाव मुक्त रहना फिटनेस के लिए बेहद जरूरी है। आप तीस मिनट पैदल चलकर भी तनाव से मुक्ति बना जा सकता है। शारीरिक गतिविधियों के जरिये मूड अच्छा रहता है।साथ ही व्यक्ति स्वयं को प्रसन्नचित्त और तनावमुक्त महसूस करता है। नियमित एक्सरसाइज से व्यक्ति में आत्मविश्वास भी बढ़ता है। तनाव को दूर करने के लिए आप योग और ध्यान के जरिये भी तनाव को दूर करे। अपने मूड को अच्छा बनाए रख सकते हैं।

**आदतें सुधारें फिट रहें:** धूम्रपान और एल्कोहल का सेवन भी आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह होता है। 45 वर्ष की आयु के बाद व्यक्ति को डायबिटीज और हृदय रोग होने का खतरा अधिक होता है। इसके साथ ही उम्र के इस पड़ाव में रक्तचाप भी व्यक्ति को अधिक प्रभावित करता है। ऐसे में आपको चाहिए कि एल्कोहल और धूम्रपान से दूर रहें। ऐसा करके आप स्वयं को कई बीमारियों के संभावित खतरे से दूर रख सकते हैं।

**मोटापा बड़ा खतरनाक:** दुनिया भर में अब मोटापे को बीमारी के रूप में देखा जाता है। और यह स्वयं भी कई बीमारियों के लिए गड्डे को तैयार करता है। मोटापा डायबिटीज, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की मुख्य वजह माना जाता है। ये सभी बीमारियां अन्य कई गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देती हैं। मोटापे को दूर करने के लिए आपको अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही नियमित तौर पर व्यायाम करने से भी इस पर काबू किया जा सकता है। कई बार मोटापा अनुवांशिक होता है, ऐसे में आपको अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होती है।

संपादकीय

## 'ऑपरेशन दो-तिहाई' अंजाम तक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने-अपने स्तर पर 'चाणक्य' साबित कर दिया है। गृहमंत्री का 'ऑपरेशन दो-तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' का समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो-तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में पराजित हो गया था। मोदी सरकार के 12-साला कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा। संविधान संशोधन बिल को पारित कराने की यह संवैधानिक शर्त है कि दो-तिहाई बहुमत का समर्थन होना चाहिए। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं, जिसका दो-तिहाई 360 सांसद बनता है, लेकिन बिल पारित कराने की संवैधानिक, संसदीय व्यवस्था यह है कि मतविभाजन के समय जितने सांसद सदन में हैं, उनका दो-तिहाई बहुमत होना लाजिमी है, लेकिन सदन में कमोबेश 50 फीसदी सदस्य उपस्थित होने चाहिए। लोकसभा में भाजपा के 240 सांसद हैं, लेकिन एनडीए के पक्ष में कुल 293 सांसद हैं। पिछली बार छोटे दलों के 5 सांसदों ने भी संविधान संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया था, लिहाजा एनडीए के पक्ष में 298 सांसद माने जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिन 20 सांसदों ने बगावत कर पालाबदल किया था, उसके बाद अब वे 'नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के सांसद हैं। त्रिपुरा और बंगाल की यह बौनी-सी, गुमनाम पार्टी पहले से ही एनडीए की घटक है, लिहाजा 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के तहत इन 20 सांसदों को गिनते हुए एनडीए को 318 सांसदों का समर्थन हो जाता है। 'असली शिवसेना' (एकनाथ शिंदे वाली) ने उद्धव गुट में सेंध लगाई और 'चाणक्य भाजपा' की सहायता से 6 सांसदों को तोड़ कर पार्टी में शामिल भी कर लिया गया। नतीजतन एनडीए के 324 सांसद हो गए। अब 'गिद्ध-दृष्टि' तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर है। पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन परिसीमन के साथ-साथ चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के भी घोर विरोधी रहे हैं। तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता से बाहर हो चुकी है। लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। गौरतलब यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में, तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि की सहमति से, एनडीए और भारत सरकार में भाजपा-द्रमुक साथ-साथ रहे हैं। ऐसा कोई वैचारिक विभाजन नहीं है। दोनों के बीच कोई 'लक्ष्मण-रेखा' भी नहीं है। हालांकि द्रमुक के कुछ नेताओं ने 'सनातन' के लिए बेहद अभद्र, अश्लील, अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राजनीति में ऐसे आचरण, दुव्यवहार अक्सर भुला दिए जाते हैं। यदि द्रमुक के 22 सांसद लोकसभा में संशोधन बिल को समर्थन देते हैं, तो एनडीए के पक्ष में 346 सांसद हो सकते हैं। शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों का समर्थन लगभग तय माना जा रहा है, लिहाजा सत्ता-पक्ष के 354 सांसद हो सकते हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठीक ही कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी 2029 तक देश का 'राजनीतिक नक्शा' बदल देना चाहते हैं। चूंकि महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए देश में परिसीमन करना अनिवार्य है, लिहाजा नए बिल में ऐसा प्रावधान हो सकता है कि सभी राज्यों की 50 फीसदी लोकसभा सीटें बढ़ाई जाएंगी। परिसीमन उसी आधार पर किया जाएगा।

> गृहमंत्री का 'ऑपरेशन दो-तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' का समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो-तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में पराजित हो गया था। मोदी सरकार के 12-साला कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा।

### सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता

## महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा—बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी। यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए। सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा। फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों—शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान—में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है। निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा। केवल महिलाओं को दोषी ठहराने से न तो महंगाई कम होगी और न ही परिवार मजबूत होंगे। यह भी समझना होगा कि अनेक महिलाओं के लिए नौकरी कोई शौक नहीं बल्कि आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा खर्च, आवास ऋण और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के कारण दोहरी आय कई परिवारों की मजबूरी बन चुकी है। दूसरी ओर लाखों महिलाएं अपनी प्रतिभा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक योगदान के लिए भी कार्य करना चाहती हैं। उनके निर्णय को केवल बाजार की साजिश बताना उनके व्यक्तित्व और अधिकारों दोनों को सीमित करता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज में पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बदल रही हैं। यदि दोनों कमाते हैं तो घरेलू जिम्मेदारियां भी दोनों को साझा करनी चाहिए। बच्चों का पालन-पोषण केवल मां का नहीं, पिता का भी समान दायित्व है। इसी प्रकार आर्थिक जिम्मेदारी केवल पुरुष की नहीं, बल्कि आवश्यकता और सहमति के अनुसार दोनों की हो सकती है। आधुनिक परिवार की सफलता इसी साझेदारी में निहित है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता दोषारोपण की नहीं बल्कि संतुलन की है। हमें ऐसा समाज चाहिए जहां परिवार भी मजबूत हों और महिलाओं की प्रतिभा भी विकसित हो। जहां घरेलू कार्य का सम्मान हो और पेशेवर उपलब्धियों का भी। जहां बच्चों को माता-पिता दोनों का समय मिले और दोनों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर भी। आर्थिक नीतियां ऐसी हों कि शिक्षा और आवास आम नागरिक की पहुंच में रहें। निजी संस्थानों पर प्रभावी नियमन हो, गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय और अस्पताल मजबूत किए जाएं तथा आवास क्षेत्र में पारदर्शिता और किफायत सुनिश्चित की जाए। अंततः यह कहना कि आज की सारी आर्थिक समस्याओं की जड़ महिलाओं का रोजगार है, न तो न्यायसंगत है और न ही तथ्यों पर आधारित।

> बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

देश दुनिया से

## मुंबई के चश्मे से चंडीगढ़ का दीदार

मैं मुंबई में रहता हूं। लेकिन जब भी कोई पूछता है, 'घर कहां है'? तो मेरा जवाब हमेशा यही होता है— चंडीगढ़। हालांकि, मुंबई में रहते करीब 30 साल हो गए। गगनचुम्बी इमारतें, चंडीगढ़ की एक कोठी की कीमत के बराबर वहां केवल छोटा-सा 2 बेडरूम फ्लैट मिलना, और वड़ा-पाव खाकर डेडलाइन पूरी करने की भागमभाग। फिर भी, चंडीगढ़ को किसी पुराने साथी की तरह देखता हूं, जिससे आज भी लगाव है। वहां की हर चीज़ का पता रहता है। मुंबई में पहला झटका जगह को लेकर लगता है। यह शहर आपको सिकोड़ देता है। यहां मेरा फ़्लैट लगभग 1200 स्क्वेयर फ़ीट का है जबकि सेक्टर 21 में मेरे माता-पिता का घर एक कनाल का है, जिसके लॉन में पुदीना उगाते हैं। मुंबई में, अगर बालकनी में दो कुर्सियां बिछ जाएं, तो हम खुश हो जाते हैं। चंडीगढ़ में लोग शिकायत करते हैं कि पार्किंग में दो एसयूवी गाड़ियां नहीं आ पातीं। चंडीगढ़ वापस जाता हूं, तो शुरुआती 2-3 दिन बस घूमता रहता हूं। चौड़ी सड़कें। पेड़-पौधे। हॉर्न का शोर नहीं। सोचता रहता हूं, 'यहां इतनी जगह क्यों है'? और फिर मुझे याद आता है – 'द सिटी ब्यूटीफुल' का मकसद यही तो था। ली कॉर्बुज़िए ने इसे इस तरह प्लान किया था कि आप खुलकर सांस ले सकें। मुंबई ने खुद को इस तरह प्लान किया कि आप बस 'एडजस्ट' कर सकें। दूसरा झटका समय को लेकर लगता है। मुंबई इस बात पर चलती है कि 'बस पहुंच रहा हूं' – जिसका मतलब होता है 45 मिनट। वहीं, चंडीगढ़ में '10 मिनट में आ जाता हूं' का मतलब सच में 10 मिनट होता है। मैंने अपने मुंबई वाले दोस्तों को बताया —मैं 'सेक्टर 17' में किसी से मिलने जा रहा हूं। उन्होंने पूछा, 'कितना समय लगेगा'? मैंने कहा 5-7 मिनट। वे इसे मजाक समझे। चंडीगढ़ में दूरी को घंटों में नहीं, सेक्टर में मापा जाता है। 'मैं 22 में हूं, तू 35 आ जा'। यह 15 सेकंड का मामला है। इसकी मुझे बहुत याद आती है। घर से दूर रहने पर आप अपने शहर को अलग नज़रिए से देखते हैं। पहला, चंडीगढ़ बोरिंग है। पर, यही इसकी खासियत है: मुंबई वाले दोस्त पूछते हैं, 'वहां करते क्या हो'? कहता हूं: 'गेड़ी'। चाय। बातें'। वे हैरान होकर पूछते हैं, 'क्लब नहीं है क्या'? क्लब तो हैं, लेकिन कोई रोज़ नहीं जाता। क्योंकि यह शहर आपसे हर समय एक्टिव या 'ऑन' रहने की उम्मीद नहीं करता। चंडीगढ़ उस तरह से बोरिंग है जैसे कोई अच्छी किताब। दूसरा, चंडीगढ़ के लोग मीन-मेख निकालते अथवा मापते हैं: यह भी खासियत है। मुंबई में किसी को परवाह नहीं कि आप बाज़ार क्या पहनकर जा रहे। लेकिन चंडीगढ़ में आपका पड़ोसी आपके नए कुर्ते पर कमेंट भी कर देगा। पहले मुझे यह बात अखरती थी। अब अहसास होता है : यही भाईचारा है। तीसरा, चंडीगढ़ अमीर है, लेकिन यह मुख्य बात नहीं है : मुंबई दिखावा करता है। बांद्रा, जुहू की रूफटॉप पार्टियां। बॉलीवुड। चंडीगढ़ में शहर के अंदर ही फार्महाउस हैं- सेक्टर 9 में मेरे एक वकील दोस्त का 10.5 कनाल का बंगला है। सबके पास बड़ी-बड़ी एसयूवी गाड़ियां, लेकिन दिखावे का तरीका अलग है। यहां रुतबे का दिखावा व्यावहारिक है। ठेठ चंडीगढ़िया स्टाइल। मुंबई में होता हूं, तो चंडीगढ़ के दोस्तों वाला व्हाट्सएप ग्रुप मेरा चंडीगढ़ का न्यूज़ चैनल बन जाता है। वहां के मौसम और ट्रैफ़िक का पता रहता है। यह भी कि सेक्टर 26 में कौन-सा नया कैफ़े खुला है। मुंबई के लोग ग़लत समझते हैं, उन्हें लगता है कि चंडीगढ़ 'छोटा सा' है। तकनीकी रूप से हां, केवल 114 वर्ग किलोमीटर। लेकिन भावनात्मक रूप से, बहुत विशाल है। क्योंकि हर कोई किसी न किसी चंडीगढ़ वाले को जानता है। मुंबई की एक पार्टी में मैं ऐसे 3 लोगों से मिला जिन्होंने कहा, 'मेरी मौसी चंडीगढ़ में रहती हैं', 'मेरा कज़िन पीजीआई में था', या 'मैं बचपन में रॉक गार्डन गया था'। चंडीगढ़ भारत का दूसरा घर है। कोई मानता नहीं, लेकिन हरेक का इससे कोई न कोई नाता है। मुंबई के लोगों को यह भी लगता है कि चंडीगढ़ में रहने वालों के पास 'करने-धरने को कुछ नहीं'। मैं कहता हूं कि हमारे पास करने को बहुत कुछ है। बस हम सब कुछ आराम से करते हैं। हम ब्रंच नहीं करते, कहते हैं 'घर आ जाओ, राजमाह बने हैं।' मुंबई में 'अपने घर की याद' अजीब तरह से आती है। बड़ी चीज़ों की वजह से नहीं। अप्रैल में कोयल की कूक की वजह से, सर्दियों की धुंध की वजह से जो सब कुछ रोमांटिक बना देती है। मटका चौक से शिवालिक की पहाड़ियों के नज़ारे की वजह से। मुंबई ने मुझे व्यवसाय दिया, चंडीगढ़ ने मेरा वजूद दिया है। मुंबई में मैं 'विज्ञापन जगत का एक बंदा' हूं। चंडीगढ़ में मैं 'गोयल साहब का बेटा, जो डीएवी से पढ़ा और अब मुंबई में है' हूं। मुझे दोनों की ज़रूरत है। लेकिन घर जैसा अहसास एक ही जगह है। मुंबई से देखने पर चंडीगढ़ ऐसा लगता है जिसने भागमभाग में फंसने से साफ़ इनकार कर रखा है। जब मुंबई में ऊंची इमारतें बन रही थीं, तब चंडीगढ़ ने अपने पेड़ बचाए रखे। मुंबईवासी 12 घंटे की शिफ्ट करते थे, तब चंडीगढ़ में 8 बजे डिनर का रिवाज रहा। क्या चंडीगढ़ में कोई कमी नहीं? हां, है। युवा पीढ़ी शहर छोड़कर जा रही है। तन्खवाहें कम हैं। लेकिन यह एकमात्र ऐसा शहर भी है जहां मेरी बेटी रात 1 बजे गाड़ी चला सकती है, खुद को सुरक्षित महसूस कर सकती है। मुंबई ने मुझे सिखाया काम के पीछे भागना कैसे है। चंडीगढ़ ने मुझे सिखाया कि रुकना क्यों नहीं। और 1500 किलोमीटर दूर से भी, मैं अब भी अपने दिमाग में वही 'गेड़ी' लगा रहा हूं – रॉक गार्डन से सुखना, सेक्टर 17 से पंजाब यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट सेंटर। क्योंकि कुछ शहरों में आप रहते हैं। और कुछ शहर आपमें बस जाते हैं। चंडीगढ़ उन्हीं में से एक है। मुंबई में रहते हुए भी।

आप का नज़रिया

## कांगड़ा पर्यटन की हाजिरी

पर्यटन की तारीफ में कुछ आंकड़े जब दरियादिल हो जाते हैं, तो सड़कें आबाद और अर्थतंत्र प्रसन्न हो जाता है। कांगड़ा को पहली बार टूरिज्म कैपिटल का संबोधन मिला, तो बांछें खिल उठी, हालांकि योजनाएं-परियोजनाएं अभी करवटें बदल रही हैं। आंकड़ों के हस्ताक्षर बता रहे हैं कि मई में 1.26 लाख घरेलू व 3500 विदेशी कांगड़ा पहुंच गए। पर्यटक आगमन का चित्र बेशक बड़ा हो रहा है, तो इसके कारणों पर गौर होना चाहिए। कांगड़ा घाटी में पर्यटन की घाटियां पहली बार नजर नहीं आ रहीं, बल्कि नजरों में कांगड़ा को लाने के लिए बहाने जरूर बढ़ रहे हैं। घाटी के मंदिर वास्तव में पर्यटन के प्रवेश द्वार हैं, जहां से अस्सी फीसदी आंकड़े हाजिरी भरते हैं। धर्मशाला में आईपीएल मैच तथा वर्क फ्रॉम माउंटेन का कांसेप्ट बीड़-बिलिंग तक ग्रो कर रहा है। प्रदेश में ट्रैकिंग की बेहतरीन साइट्स कांगड़ा में विकसित हो रही हैं तथा नए पर्यटन की नई मंजिलों में कांगड़ा के अनुभव धौलाधार पर्वत श्रृंखला के साथ डलहौजी से जोगिंद्रनगर तक फैल रहे हैं। निजी क्षेत्र ने न केवल होम स्टे की अवधारणा में खुशामदीद कहा, बल्कि कुछ बेहतरीन रिजॉर्ट यहां की आबोहवा, खान-पान, साहसिक खेलों तथा नजारों को यादगार यात्रा में बदल रहे हैं। देखना यह है कि कब सरकार के प्रयत्नों से पौंग डैम की संभावना में किश्तियां-शिकारे दौड़ते हैं या तितलियों के गार्डन बसते हैं। यह दीगर है कि कांगड़ा की पर्यटन राजधानी में नगरोटा बगवां के हिस्से में क्लॉक टावर, ऊंचा तिरंगा तथा मालरोड दिखाई दे रहा है, लेकिन टेंपल टूरिज्म को घोषणाओं के सिवाय कुछ नहीं मिला और न ही पालमपुर के सौंदर्यीकरण की पूर्व घोषित योजनाएं पूरी हुईं। आज भी धर्मशाला में निर्मित प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन में एक भी फूल नहीं उगा, तो एडीबी प्रदत परियोजनाओं के जख्म दिखाई देते हैं। कांगड़ा बाइपास पर विकसित हो रहे घाटों पर अगर एडीबी बजट की नजरें इनायत हो जाएं, तो यह स्थल हर दिन पर्यटकों का मेला बन सकता है, लेकिन कांगड़ा कैपिटल का नाम कांगड़ा शहर की किस्मत में ही काम नहीं आया। बहरहाल, पर्यटन का जो भी खाका दिखाई दे, इसमें कनेक्टिविटी का बहुत बड़ा योगदान है। अभी हाल में शुरू हुई धर्मशाला-नोएडा फ्लाइट की आधिकारिक सूचना यह है कि जेवर पर उतर रही उड़ानों में यात्री वृद्धि दर में कांगड़ा एयरपोर्ट एक फेवरिट डेस्टिनेशन बना है। निश्चित रूप से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के प्रति सुक्खू सरकार की दूरदृष्टि बड़े पर्यटन का महाकाव्य लिखने जा रही है। इसी तरह सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से अंब-अंदौरा तक पहुंची वंदे भारत रेल सेवा ने मंदिर पर्यटन की नई कहानी लिख दी है, लेकिन पर्यटन का टैम्पो ट्रैवल न तो धर्मशाला-मकलोडगंज को जोड़ रहा और न ही चामुंडा तक पहुंच रहा है। पर्यटक को हिमाचल पहुंचाने में निजी वोल्वो बसों का योगदान सर्वोपरि है और यही वजह है कि बीड़ से ही दो-ढाई दर्जन बसें हर दिन दिल्ली के लिए निकलती हैं। युवा पर्यटक हिमाचल का नक्शा बदल रहे हैं। निजी वोल्वो बसों से युवा पर्यटक अगर त्रियुंड, धातरी, खनियारा, हिमानी चामुंडा, नगरी-राख या बीड़-बिलिंग पहुंच रहे हैं, तो यह 'वर्क फ्रॉम माउंटेन' की संभावना है। इस कैटेगिरी के पर्यटक को अलग तरह की अधोसंरचना चाहिए। उसे छात्रावासों की एक श्रृंखला, सस्ती टैक्सी सेवा, हाई स्पीड इंटरनेट और मनोरंजन के नित नए साधन चाहिएं। क्या कांगड़ा को पर्यटन कैपिटल का दर्जा देने से सब कुछ बेहतर होगा या पर्यटक के आने के कारणों में अधोसंरचना में इजाफा चाहिए। एडीबी के सौजन्य से बहुत कुछ संभव है, लेकिन ऐसी परियोजनाएं चल रही हैं, जो कल कहीं खंडहर ही न बन जाएं।

> कांगड़ा को पहली बार टूरिज्म कैपिटल का संबोधन मिला, तो बांछें खिल उठी, हालांकि योजनाएं-परियोजनाएं अभी करवटें बदल रही हैं। आंकड़ों के हस्ताक्षर बता रहे हैं कि मई में 1.26 लाख घरेलू व 3500 विदेशी कांगड़ा पहुंच गए। पर्यटक आगमन का चित्र बेशक बड़ा हो रहा है, तो इसके कारणों पर गौर होना चाहिए। कांगड़ा घाटी में पर्यटन की घाटियां पहली बार नजर नहीं आ रहीं, बल्कि नजरों में कांगड़ा को लाने के लिए बहाने जरूर बढ़ रहे हैं। घाटी के मंदिर वास्तव में पर्यटन के प्रवेश द्वार हैं, जहां से अस्सी फीसदी आंकड़े हाजिरी भरते हैं। धर्मशाला में आईपीएल मैच तथा वर्क फ्रॉम माउंटेन का कांसेप्ट बीड़-बिलिंग तक ग्रो कर रहा है। प्रदेश में ट्रैकिंग की बेहतरीन साइट्स कांगड़ा में विकसित हो रही हैं तथा नए पर्यटन की नई मंजिलों में कांगड़ा के अनुभव धौलाधार पर्वत श्रृंखला के साथ डलहौजी से जोगिंद्रनगर तक फैल रहे हैं। निजी क्षेत्र ने न केवल होम स्टे की अवधारणा में खुशामदीद कहा, बल्कि कुछ बेहतरीन रिजॉर्ट यहां की आबोहवा, खान-पान, साहसिक खेलों तथा नजारों को यादगार यात्रा में बदल रहे हैं। देखना यह है कि कब सरकार के प्रयत्नों से पौंग डैम की संभावना में किश्तियां-शिकारे दौड़ते हैं या तितलियों के गार्डन बसते हैं। यह दीगर है कि कांगड़ा की पर्यटन राजधानी में नगरोटा बगवां के हिस्से में क्लॉक टावर, ऊंचा तिरंगा तथा मालरोड दिखाई दे रहा है, लेकिन टेंपल टूरिज्म को घोषणाओं के सिवाय कुछ नहीं मिला और न ही पालमपुर के सौंदर्यीकरण की पूर्व घोषित योजनाएं पूरी हुईं।

कुछ अलग

## गंजे को नाखून

एक बार मैंने भगवान से कहा- 'प्रभो आपने गंजे को नाखून क्यों दिए?' भगवान बोले- 'मैंने तो बेटे नाखून सबको ही दिए हैं। गंजे के साथ मैं पक्षपात क्यों कर करूं। वह भी आदमी ही है। लेकिन तुम यह पूछ क्यों रहे हो?' मैंने कहा- 'प्रभो, गंजे ने अपना पूरा माथा खोद लिया है। घावों से लहूलुहान होकर गंजा विकृत हो गया है।' 'तो तुम क्यों फिक्र करते हो। गंजा जाने और उसका काम जाने।' भगवान बोले। 'नहीं प्रभो, वह गंजा मेरा दोस्त है, वह साहित्यकार है और मेरा समानधर्मी है। भगवान न करे उसे कुछ हो जावे। परंतु आपकी कृपा से वह लालबुझक्कड़ अफसर बन गया है।' मैंने कहा। 'देखो वत्स, किसी से ईर्ष्या मत करो। साहित्यकार अफसर बन गया तो तुम्हें क्या? रहा सवाल गंजे का, उसकी टांट और उसके नाखून। यदि वह खुजा-खुजा कर मरना चाहता है तो उसे कुत्ते की मौत मरने दो। परंतु तुम टिप्पणी मत करो।' भगवान यह कहकर अंतर्ध्यान हो गए। मुझे भगवान की बात सत्य भी लगी और विचित्र भी। सोच-सोचकर हंसी भी आई कि अच्छा भला आदमी था साहित्यकार, अफसर क्या बना कि हुलिया ही बिगाड़ लिया। एक बार मेरा उस साहित्यकार मित्र से काम पड़ गया। मैंने उसके पास जाकर कहा- 'देखिये साहित्यकार जी, आप अफसर हैं और आपके दफ्तर में मेरा एक मामला अटक गया है, उसे निकलवाइये।' साहित्यकार बोला- 'देखो भाई, यह दफ्तर है, इसका काम करने का एक कायदा है। यदि नियमानुसार फाइल निकलने की होगी तो निकाल दी जाएगी। वरना मैं विवश हूं।' मैंने कहा- 'कैसी बहकी-बहकी बातें कर रहे हो मित्र! तुम कल तक मेरे घर घंटों पड़े रहकर मुझसे साहित्य की ट्रेनिंग लिया करते थे।

दृष्टि कोण

## इंग्लैंड की नई पार्टी का पैंतरा और बीरबल

इंग्लैंड की महज सात साल पुरानी पार्टी यूके रिफॉर्म और वहां की पूर्व गृहमंत्री बरेवरमैन के नए रिश्ते बने हैं और उन्होंने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। ब्रिटेन की सांसद सुएला बरेवरमैन ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में गृहमंत्री थीं। उनकी मां उमा तमिल मूल की थीं और उनके पिता गोवा मूल के कैथोलिक ईसाई थे। लेकिन दोनों परिवार अरसा पहले मार्शल और केन्या में जाकर बस गए थे। वहां से कभी इंग्लैंड जाकर बस गए। वहां की राजनीति में सक्रिय हो गए। उनकी बेटी सुएला बरेवरमैन वकील थीं और वह भी माता पिता की विरासत को संभालती हुई इंग्लैंड की राजनीति में रुचि लेने लगीं। वह कंजर्वेटिव पार्टी के टिकट पर वहां की लोकसभा की सांसद चुनी गईं और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में देश की गृहमंत्री बनीं। लेकिन हमास के आतंकियों ने जब इजरायल के सैकड़ों लोगों को अगवा कर उन्हें मारना शुरू किया तो जाहिर है ब्रिटेन में इसको लेकर रोष होता। लेकिन बरेवरमैन ने तब हमास के पक्ष में मोर्चा संभाल लिया। लोगों के विरोध को देखते हुए ऋषि सुनक ने इसे मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया। ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद बरेवरमैन ने प्रधानमंत्री पद के लिए भी जोर आजमाइश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। 2026 में बरेवरमैन ने पाला बदल लिया। वे 2024 में कंजर्वेटिव पार्टी की टिकट पर सांसद चुनी गई थीं। लेकिन वह 26 जनवरी 2026 को यूके रिफॉर्म पार्टी में शामिल हो गईं। यह पार्टी कोई बहुत पुरानी नहीं है। इसका गठन कुछ मित्रों ने आपस में मिल कर 2018 में किया था। बाद में पार्टी का नाम बदल कर यूके रिफॉर्म कर दिया। बरेवरमैन को शायद लगा होगा कि उसके राजीतिक कैरियर और विचारधारा के लिए यही पार्टी उत्तम है। इस नई पार्टी का मत है कि इंग्लैंड में एशिया और अफ्रीका से आकर इतने लोग बस गए हैं कि इससे इंग्लैंड की अपनी संस्कृति और पहचान खतरे में पड़ गई है। इंग्लैंड के आर्थिक साधनों को ये बाहरी लोग खा रहे हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए ताकि इंग्लैंड सुरक्षित रह सके। यही कारण है कि इस पार्टी को रेडिकल कंजर्वेटिव भी कहा जाता है। इसी बीच इंग्लैंड में एक नए विषय पर गोरों के कान खड़े होने लगे। लेबर और कंजरवेटिव दोनों ही पार्टियां चौकन्नी होने लगी थीं कि इस नए मामले का सामना कैसे किया जाए। माफी मांग कर या दुख प्रकट कर छुटकारा पा लिया जाए? यह विषय अफ्रीका में उठा है। एक अफ्रीकी देश जमैका में आजकल बहुत हो हल्ला हो रहा है कि इंग्लैंड जमैका से लोगों को धोखे से अमरीका महाद्वीप के देशों में ले गया और वहां उनको गुलाम बना लिया और उनके साथ जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया। लाखों लोगों की मौत हो गई। अब जमैका में मांग उठ रही है कि इंग्लैंड की सरकार इसका मुआवजा दे। अपनी पुरानी पार्टी को छोड़ कर यूके रिफॉर्म में बरेवरमैन कुछ महीने पहले ही शामिल हुई हैं। जाहिर है उसे वहां अपनी उपस्थिति की घोषणा धमाके से ही करनी थी। इतने धमाके से कि पता चले कि वह इस नए मंच पर आने में चाहे लेट हो गई हों, लेकिन वैचारिक लिहाज से वह पुरानों से भी दो कदम आगे है। वैसे भी नया बना मुसलमान अल्लाह अल्लाह ज्यादा करता है। बरेवरमैन ने जोर शोर से कहना शुरू कर दिया कि भूतकाल में इंग्लैंड ने एशिया और अफ्रीका के देशों पर सैकड़ों साल राज किया था, उनका विकास किया, वहां सड़कें, रेल की पटरियां बिछाईं और भवन बनाए। इस विकास पर इंग्लैंड के साधन लगे। अब समय आ गया है कि ये सभी देश इंग्लैंड के इस उपकार का ऋण उतारें और आज की इंग्लैंड सरकार को इसकी भरपाई करें।

# कोहली और गंभीर के बीच किसी ब्रिज की जरूरत नहीं: सितांशु कोटक

कार्डिफ (यूके)

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बीच मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच नियमित बातचीत होती है और उन्हें किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत की चार विकेट से हार के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कोटक ने स्पष्ट किया कि अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली से उनकी बातचीत केवल बल्लेबाजी से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच संवाद का माध्यम बने हुए हैं, तो कोटक ने कहा, नहीं, विराट और गौतम शायद 10-12 बार बात कर चुके होंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी ब्रिज की जरूरत है।

### बल्लेबाजी पर हुई थी चर्चा

कोटक ने बताया कि विराट ने खुद बल्लेबाजी से जुड़े कुछ पहलुओं पर उनसे चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि इतने अनुभवी बल्लेबाज को बिना जरूरत तकनीकी सलाह देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा, विराट बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले कुछ चीजों पर बात करना चाहते थे। ईमानदारी से कहूं तो जब तक उन्हें खुद किसी बात की जरूरत महसूस न हो या कोई बड़ी तकनीकी बात नजर न आए, तब तक उनकी बल्लेबाजी में ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने फुटवर्क और कुछ अन्य पहलुओं को लेकर मुझसे चर्चा की थी और नेट्स के बाद भी इसी विषय पर बात हुई।

### अफवाहों को बताया निराधार

कोटक ने कोहली और गंभीर के रिश्तों को लेकर चल रही चर्चाओं को भी सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, इन अफवाहों की बात करें तो मुझे नहीं पता कि ये कहां से आती हैं, लेकिन आती जरूर हैं।

### दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने की वापसी

मैच की बात करें तो सोफिया गार्डन्स, कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जो रूट ने नाबाद 99 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने विल जैक्स (30) के साथ 72 रन की अहम साझेदारी की, जबकि गस एटकिंसन 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड ने लक्ष्य लगभग छह ओवर शेष रहते हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने विराट कोहली (65) और श्रेयस अय्यर (66) के अर्धशतकों की बदौलत 44 ओवर में 233 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 31 और रोहित शर्मा ने 26 रन बनाए, जबकि बीमार केएल राहुल की जगह खेलने वाले ईशान किशन केवल एक रन बना सके।

इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि साकिब महमूद को दो सफलताएं मिलीं।

## न्यूज ब्रीफ

### पीवी सिंधु जापान ओपन के सेमीफाइनल में, अब चीन की चेन यूफेई से होगी टक्कर

**टोक्यो।** भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी और मेजबान जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण मुकाबले से हट गईं, जिसके चलते सिंधु को वाकओवर मिल गया। इस जीत के साथ सिंधु ने वर्ष 2023 के डेनमार्क ओपन के बाद पहली बार किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। साथ ही यह वर्ष 2026 में उनका तीसरा सेमीफाइनल भी है, जो इस सीजन में उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। सत्र की शुरुआत विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से करने वाली सिंधु अब शीर्ष-10 में वापसी कर चुकी हैं और वर्तमान में विश्व नंबर-9 हैं। सेमीफाइनल में चेन यूफेई से होगी चुनौती सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन यूफेई से होगा। चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं।

### लुइस सुआरेज़ ने रोनाल्डो नाज़ारियो को बताया सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9, साझा की तस्वीर

**मोंटेवीडियो (उरुग्वे)।** उरुग्वे के स्टार फुटबालर लुइस सुआरेज़ ने ब्राजील के महान फुटबालर रोनाल्डो नाज़ारियो के साथ मुलाकात के बाद भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्हें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9 बताया है।

सुआरेज़ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रोनाल्डो नाज़ारियो के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9! रोनाल्डो नाज़ारियो को फुटबाल इतिहास के महानतम स्ट्राइकरों में गिना जाता है। उन्होंने ब्राजील को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी और अपने शानदार करियर के दौरान कई व्यक्तिगत और टीम सम्मान हासिल किए। हैरी केन के साथ भी साझा की थी खास तस्वीर इससे पहले फीफा विश्व कप 2026 के दौरान इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के साथ भी एक खास पल साझा किया था। सुआरेज ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, एक शानदार नंबर-9 के साथ! आपसे मिलकर खुशी हुई। तस्वीर में सुआरेज़ और केन एक-दूसरे की नंबर-9 जर्सी थामे नजर आए। दोनों दिग्गज स्ट्राइकरों ने गर्मजोशी से मुलाकात की और आपस में जर्सी का आदान-प्रदान किया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई।

### टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर डिविलियर्स ने चिन्ता जतायी

**जोहांबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईपीएल के सितारों को जमीनी हकीकत समझने की जरुरत है।

डिविलियर्स ने टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के गिरते हुए प्रदर्शन को लेकर ये बात ही है। डिविलियर्स ने कहा कि आईपीएल में धमाकेदार पारियां खेलने वालों को ये समझना चाहिये कि लीग और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर में काफी अंतर होता है। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम लिए बिना कहा कि आईपीएल में रनों का पहाड़ बनाने वाले खिलाड़ियों को अब जमीन पर वापस आने की जरूरत है। माना जा रहा है कि उनका संकेत आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ओर था। डिविलियर्स ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हर समय पांचवें गियर में खेलने का खेल नहीं है क्योंकि यहां कमजोर गेंदबाज नहीं मिलते, बल्कि हर प्रतिद्वंद्वी विश्व स्तरीय होता है। डिविलियर्स ने जोर दिया कि बल्लेबाजों को हालातों के अनुकूल ढलते हुए एक या दो से अधिक गियर में खेलना आना चाहिए। उनके अनुसार भारतीय टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड से मिली हार को देखते हुए अब संभल जाना चाहिये। वहीं भारतीय टीम की हार के बाद से ही मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। ये कहा जा रहा है कि जिस प्रकार से वह टीम में लगातार बदलाव करते हैं वह टीम को नुकसान पहुंचा रहा है। वहीं डिविलियर्स का मानना है कि केवल कोच को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं, बल्कि मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

# भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को पाकिस्तान के आबिद से भिड़ेंगे, मुकाबले को लेकर तनाव में आयोजक

कुआलालम्पुर

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में होने वाले एक मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली से भिड़ेंगे। एशिया चैम्पियन एमएमए के तहत होने वाले इस खिताबी मुकाबले को लेकर जहां लोगों में काफी उत्साह है। वहीं मलेशियाई आयोजक समिति के अध्यक्ष इस्माइल मारज़ुकी बिन और सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इनका कहना है कि इस मुकाबले के आयोजन को लेकर वे तनाव में हैं। उनका मानना है कि यह मुकाबला उनके आयोजन को सफल भी बना सकता है और ये भी हो सकता है कि इससे उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने सख्त सुरक्षा इंतज़ाम किए गए हैं। कुआलालंपुर में होने वाले इस हाई-वोल्टेज आयोजन को लेकर एमएमए प्रेमियों में ज़बरदस्त उत्साह है। टिकटों की बिक्री भी तेज़ी से हो रही है, जिनकी कीमत 50 रिंगित (लगभग 1200 रुपए) से लेकर 1500 रिंगित (करीब 42 हजार रुपए) तक निर्धारित की गई है। आयोजक इस्माइल और मोहम्मद हाकिम टिकटों की बिक्री को लेकर बेहद रोमांचित हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में तकरीबन 1 लाख 60 हज़ार भारतीय रहते हैं, जबकि पाकिस्तानियों की संख्या 20 हज़ार से भी कम है। आयोजकों को पूरी उम्मीद है कि इस फाइट के दौरान एमएमए प्रशंसकों के हाथों में चारों ओर तिरंगा लहराता दिखाई देगा, जो मुकाबले में एक अलग ही जोश भर देगा। पेशेवर कुश्ती में दोहरे हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह मानसिक रूप से बेहद मज़बूत दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका रिकार्ड भी शानदार रहा है। उनकी पहली एमएमए फाइट भी पाकिस्तानी फाइटर अली रज़ा नासिर के खिलाफ थी, जिसे उन्होंने गामा इंटरनैशनल फाइटिंग चैम्पियनशिप के अंतर्गत महज़ 90 सेकंड में जीत लिया था। इससे पहले, फरवरी 2024 में दुबई में हुई एक रेसलिंग बाउट में भी उन्होंने पाकिस्तान के ही मोहम्मद सईद को 18 मिनट चले मुकाबले में हराया था। यह संग्राम सिंह की चौथी एमएमए फाइट है। अपनी पिछली फाइट में उन्होंने ब्यूनस आयर्स में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को महज 1 मिनट 45 सेकंड में हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की थी।

### असुंता लाकड़ा के आरोपों पर स्वतंत्र जांच की मांग, खेल मंत्रालय से दिलीप टिर्की ने की यह अपील

**नई दिल्ली।** हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पूर्व भारतीय महिला हाकी खिलाड़ी असुंता लाकड़ा द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और डराने-धमकाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए खेल मंत्रालय से स्वतंत्र जांच समिति गठित करने का अनुरोध किया है। तिर्की का कहना है कि चूंकि आरोप हाकी इंडिया के एक पदाधिकारी से जुड़े हैं, इसलिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के जरिए जांच कराने पर निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। खेल मंत्रालय को भेजा ईमेल खेल मंत्रालय ने हाल ही में हाकी इंडिया को निर्देश दिया था कि वह लाकड़ा की ओर से लगाए गए उत्पीड़न और धमकी के आरोपों की जांच के लिए अपनी आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए। इसके जवाब में बुधवार को खेल मंत्रालय को भेजे गए ईमेल में टिर्की ने कहा, हाकी इंडिया इन आरोपों को बेहद गंभीरता से लेता है और खिलाड़ियों की सुरक्षा, गरिमा और संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हालांकि, चूंकि आरोप हाकी इंडिया के कुछ पदाधिकारियों से जुड़े हैं, इसलिए मामले को हाकी इंडिया की आईसीसी के पास भेजने से जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ सकते हैं। उन्होंने मंत्रालय से आग्रह किया कि मामले की जांच के लिए हाकी इंडिया से असंबद्ध व्यक्तियों की स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए, ताकि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से हो सके। हर संभव सहयोग का भरोसा दिलीप टिर्की ने अपने ईमेल में यह भी भरोसा दिलाया कि यदि मंत्रालय स्वतंत्र जांच समिति गठित करता है तो हाकी इंडिया जांच में पूरा सहयोग करेगा। असुंता लाकड़ा ने लगाए हैं गंभीर आरोप इससे पहले असुंता लाकड़ा ने खेल मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हाकी इंडिया यौन उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें डराने-धमकाने के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को संरक्षण दे रहा है। लाकड़ा ने विशेष रूप से हाकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर उन्हें डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। कार्यकारिणी सदस्यों से गोपनीयता बनाए रखने की अपील दिलीप टिर्की ने हाकी इंडिया की कार्यकारिणी के सदस्यों को भी ईमेल भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से जांच पूरी होने तक पूर्ण गोपनीयता बनाए रखने और किसी भी ऐसी टिप्पणी या कार्रवाई से बचने की अपील की, जिससे जांच प्रभावित हो सकती हो।

# पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने बताया विराट की सफलता का राज

मुम्बई

**भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा है अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपने कौशल और खेलने के तरीकों पर पूरा भरोसा रहता है और इसी कारण वह इतने सफल है। नायर के अनुसार जब विराट खराब दौर से गुजरते हैं तब भी वह अपनी तकनीक पर भरोसा बनाये रखते हैं और किसी प्रकार के बदलाव के बारे में नहीं सोचते। यही उनके महान होने का करण है। नायर ने कहा कि अपने तरीकों पर अटूट भरोसा ही उनकी लगातार सफलता का मूल कारण है।**

नायर ने कहा कि आस्ट्रेलिया के दौरे में जब विराट रन नहीं बना पा रहे थे तब भी अपने खेलने के तरीके पर बने हुए थे। नायर का मानना है कि यही अंतर दिग्गज और आम खिलाड़ियों के काम करने के तरीके में होता है। कोहली की मानसिक दृढ़ता और उनके अटूट विश्वास पर प्रकाश डालते हुए, नायर ने कहा कि वह विराट को लंबे समय से जानते हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें समझ आया कि कोहली की महानता का रहस्य उनका दृढ़ भरोसा है, जो किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलता। नायर ने एक घटना का जिक्र किया जब आस्ट्रेलिया में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान कोहली संघर्ष कर रहे थे और दो बार शून्य पर आउट हुए थे। उस समय उन्होंने कोहली से संपर्क किया था यह जानने के लिए कि वह इस खराब दौर का सामना कैसे कर रहे हैं। तब कोहली ने काफी शांत तरीके से उनका जवाब दिया था। नायर ने बताया, मैंने उनसे पूछा कि क्या सब ठीक है और क्या वह किसी बात पर चर्चा करना चाहेंगे। उन्होंने बस इतना कहा, नहीं, सब ठीक है। यह खेल का हिस्सा है। उनका आत्मविश्वास जरा भी कम नहीं हुआ था। नायर ने कहा कि उन्होंने कोहली से एक तकनीकी अवलोकन साझा करने की अनुमति मांगी। पर उन्होंने मना कर दिया क्योंकि उन्हें अपने पर पूरा भरोसा था। नायर के लिए, यह घटना बखूबी दर्शाती है कि उन खिलाड़ियों को क्या अलग बनाता है जो लगातार उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। उनका मानना है कि चैंपियन खिलाड़ी अपने वर्षों के अनुभव और अपने काम के तरीके पर पूरा भरोसे करते हैं खासकर तब जब परिणाम उनके पक्ष में नहीं होते।

### 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए कुलदीप को लगातार अवसर दें: अश्विन

**चेन्नई।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आगामी 2027 एकदिवसीय विश्वकप में उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने की जरुरत है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि 2027 विश्व कप के संयोजन में अंगुली के दो आलराउंडर फिट नहीं बैठेंगे। ऐसे में टीम को कुलदीप की जरुरत रहेगी उन्होंने भविष्य की रणनीति को लेकर कहा, जब भी कुलदीप के लिए जगह बनेगी, और अगर तेज गेंदबाज हर्षित राणा फिट और अच्छी फार्म में होंगे, तो हर्षित राणा तीसरे तेज गेंदबाज बन जाएंगे। ऐसे में कुलदीप के लिए एक अवसर बन जाएगा। अश्विन ने कहा कि कुलदीप को इसलिए भी टीम में बनाये रखा जाना चाहिये क्योंकि एक मैच विजेता ले स्पिनर हैं। उन्होंने कहा कि 2023 एकदिवसयी विश्व कप में भी कुलदीप ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। वह किसी भी चरण में गेंदबाजी कर सकते हैं, साथ ही उनका दक्षिण अफ्रीका में भी रिकार्ड अच्छा है।

# फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद बेलिंघम का भावुक संदेश, बोले-एकजुट रहेंगे तो बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे

नई दिल्ली

**फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद इंग्लैंड के स्टार फुटबालर जूड बेलिंघम ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा किया है। उन्होंने टीम को पूरे टूर्नामेंट में मिले शानदार समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए देशवासियों से एकजुटता बनाए रखने की अपील की।**

रियल मैड्रिड के मिडफील्डर बेलिंघम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर लिखा कि सेमीफाइनल में मिली हार के बाद उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन प्रशंसकों का प्यार और समर्थन उनके लिए बेहद खास रहा।

### प्रशंसकों को कहा धन्यवाद

बेलिंघम ने अपने संदेश में लिखा, कल और पिछले कुछ हफ्तों को लेकर सही शब्द ढूंढना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लेकिन हमारे ड्राइवर ने जो कहा, उसने मेरी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। इंग्लैंड में मौजूद सभी लोगों और उन प्रशंसकों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, इस अभियान के साथ हमारे देश में दिखाई दी एकजुटता और प्यार खत्म नहीं होना चाहिए। जब हम साथ होते हैं तो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं... और हम जरूर करेंगे। आप सभी से प्यार।

### सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने छीनी जीत

इंग्लैंड का विश्व कप अभियान सेमीफाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की हार के साथ समाप्त हुआ। इंग्लैंड ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई थी, लेकिन अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दाग दिया।

इसके बाद अतिरिक्त समय (स्टापेज टाइम) में लौतारो मार्टिनेज ने विजयी गोल कर अर्जेंटीना को फाइनल में पहुंचा दिया, जबकि इंग्लैंड का विश्व कप जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। बेलिंघम के संदेश को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इंग्लैंड के इस युवा स्टार ने विश्वास जताया कि यदि टीम और प्रशंसक इसी तरह एकजुट रहे, तो भविष्य में इंग्लैंड बड़ी सफलताएं हासिल करेगा।

# नशे में होने के बाद भी सोबर्स सहित इन दिग्गजों ने बनाये हैं कई रिकार्ड

मुम्बई

हाल के दिनों में जिस प्रकार से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को नाइट क्लबा विवाद के बाद संन्यास पर मजबूर होना पड़ा वैसा पहले के समय के क्रिकेटरों के मामले में नहीं था। इसका कारण है कि आज काफी सख्त नियम हैं और खिलाड़ियों की फिटनेस पर काफी ध्यान दिया जाता है। ऐसे में कोई खिलाड़ी देर रात तक बाहर रहने या शराब पीने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

वहीं पहले के दौर में इस प्रकार के सखत नियम नहीं थे। तब महान आलराउंडर गैरी सोबर्स सहित कुछ खिलाड़ियों के लिए मैदान का अनुशासन उसके बाद के समय से नहीं जुड़ा था। ऐसे में वे रातभर बीच महफिलें सजाते और अगली सुबह भारी सिर व लड़खड़ाते कदमों के साथ मैदान पर उतरकर ऐसा करिश्मा कर जाते थे कि दर्शक हैरान रह जाते थे।

पार्टी के सबसे अधिक शौककीन वेस्टइंडीज के महानतम आलराउंडर गैरी सोबर्स थे। साल 1973 के लार्ड्स टेस्ट का एक बेहद मशहूर किस्सा उनसे जुड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच चल रहा था, लेकिन खेल खत्म होते ही सोबर्स सीधे किसी नाइट क्लब की ओर निकल पड़े। पूरी रात शराब के दौर चले और वह सुबह तड़के होटल लौटे। नींद पूरी होना तो दूर, वह ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे।

जब वह मैदान पर पहुंचे, तो वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी चल रही थी। कप्तान रोहन कन्हाई के आउट होने के बाद जब सोबर्स क्रीज पर पहुंचे, तो उनकी हालत बेहद खराब थी। उन्हें गेंदें सही से दिखाई नहीं दे रही थीं और पेट दर्द से वह बेहाल थे। लेकिन अपनी अद्भुत प्रतिभा के दम पर वे खेलते रहे और देखते ही देखते शतक के करीब पहुंच गए। उन्होंने 150 रनों की बड़ी पारी खेलकर वेस्टइंडीज को मैच में एक पारी और 226 रनों से जीत दिलायी।

सोबर्स ने इससे पहले 1968 में आस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी महिला मित्र के साथ होटल चले गये। दूसरे दिन वह सीधे ही स्टेडियम पहुंचे और बल्लेबाजी के लिए उतर गये। उन्होंने 113 मिनट में तेजी से 132 रन बना दिये। साल 1958-59 के भारत दौरे पर भी उन्होंने रात के दो बजे तक शराब पीने के बाद अगले दिन पांच घंटे तक बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बना दिये। सोबर्स ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक ओपनर हर्शल गिब्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थी।

अपनी आत्मकथा में गिब्स ने माना है कि उन्होंने अपने करियर के कई बड़े मैचों से कुछ घंटे पहले जमकर शराब पी थी। इसके बावजूद मैदान पर उनके प्रदर्शन में कमी नहीं आई। इंग्लैंड के आक्रामक आलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटाफ को पब और पार्टियों का बेहद शौक था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका एक यादगार टेस्ट शतक तब आया, जब वे पूरी तरह से हैंगओवर में थे। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थे।

कई बार मैच की सुबह साइमंड्स गंभीर हैंगओवर में पाए गए, लेकिन उनकी अद्भुत फील्डिंग और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी टीम को कठिन हालातों से बाहर निकाल लाती थी।

# नीट यूजी 2026 में आकाश का दबदबा बरकरार लूणकरणसर की दिव्या बनीं बीकानेर सिटी टॉपर

**बीकानेर, 17 जुलाई। (शुभ लाभ ब्यूरो)**
आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी सफलता की परंपरा को कायम रखा है।

संस्थान के बीकानेर सेंटर की छात्रा दिव्या ने सिटी टॉपर बनकर जिले का नाम रोशन किया है, वहीं जयपुर के छात्र उपलक्ष्य गोयल ने ऑल इंडिया रैंक-3 हासिल कर राजस्थान स्टेट टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है।

इस संबंध में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सेंटर हेड दिग्विजय सिंह ने परिणामों की जानकारी दी। इस अवसर पर रमेश पुरोहित, नवीन, वेदप्रकाश शर्मा, नविता बिश्नोई और प्रखर मुंजाल भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सिटी टॉपर दिव्या बीकानेर जिले के लूणकरणसर क्षेत्र की निवासी हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित परिणामों में उपलक्ष्य गोयल ने देशभर के लाखों अभ्यर्थियों के बीच तीसरी रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

इस वर्ष नीट यूजी 2026 में आकाश के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है।

डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम के छात्र आर्यन गुप्ता ने 715/720 अंक प्राप्त कर एआईआर-1 हासिल की।

क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र उपलक्ष्य गोयल ने 711/720 अंकों के साथ एआईआर-3, आर्यन दुबे ने 710/720 अंकों के साथ एआईआर-7 और गीतांश सरीन ने 705/720 अंकों के साथ एआईआर-8 प्राप्त की।इस वर्ष आकाश के कुल 38 छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप-100 में स्थान बनाया है, जिनमें से 16 छात्र टॉप-50 और 4 छात्र टॉप-10 में शामिल हैं। इस उपलब्धि पर आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के केंद्रीय निदेशक अखिलेश वैद्य ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण का परिणाम है। संस्थान भविष्य में भी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक में आकाश के छात्रों ने 13 बार एआईआर-1 हासिल की है, वहीं ऑल इंडिया टॉप-10 में 64 प्रतिशत और टॉप-100 में 50 प्रतिशत स्थान आकाश के छात्रों के नाम रहे हैं।

## तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा आज

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा-निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के सत्र 2025-27 की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन कल, 18 जुलाई को किया जाएगा।

यह सभा तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में दोपहर 2 बजे से आयोजित होगी। सभा अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान संपादित हुए सभी कार्यों का विवरण मंत्री प्रतिवेदन के रूप में मंत्री श्रीमती निशा सेठिया द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, वहीं आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष श्रीमती शीतल सांखला देंगी।

सभा में संपादित कार्यक्रमों का अवलोकन एवं आगामी सत्र के लिए भावी योजनाओं का निर्धारण किया जाएगा। मंडल ने अधिक से अधिक सदस्यों से सभा में उपस्थित रहने की अपील की है।

# सैदाबाद स्कूल प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो : बालास्वामी

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगडाकुला बालास्वामी ने कहा कि यदि किसी विद्यालय में हिंदू विद्यार्थियों को इस्लाम से संबंधित धार्मिक होमवर्क, जैसे कलमा पढ़ना या कुरआन का पाठ करना अनिवार्य रूप से दिया जा रहा है, तो इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बचपन में बच्चों के मन पर किसी भी प्रकार की धार्मिक शिक्षा या आस्था को उनकी इच्छा अथवा अभिभावकों की सहमति के बिना थोपना गंभीर चिंता का विषय है। यदि किसी शैक्षणिक संस्थान में किसी विशेष धर्म की मान्यताओं या धार्मिक रीति-रिवाजों को अनिवार्य रूप से पढ़ाया या अपनाने के लिए दबाव बनाया जाता है, तो यह शिक्षा की निष्पक्षता तथा संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है।

बालास्वामी ने आरोप लगाया कि हिंदू विद्यार्थियों को उर्दू सिखाने, हिजाब पहनाने, इस्लामी धार्मिक शिक्षाएं देने तथा विभिन्न माध्यमों से धार्मिक प्रभाव डालने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में ऐसे मामलों में कानून का उल्लंघन सिद्ध होता है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मासूम बच्चों को कम उम्र में धार्मिक रूप से प्रभावित करने अथवा धर्म परिवर्तन की दिशा में ले जाने का कोई भी प्रयास अत्यंत गंभीर विषय है। विद्यालयों का उद्देश्य सभी वर्गों, जातियों और धर्मों के विद्यार्थियों को समान रूप से शिक्षा प्रदान करना है, न कि किसी विशेष धर्म का प्रचार-प्रसार करना।

बालास्वामी ने कहा कि हाल ही में आर्मूर की घटना के बाद अब हैदराबाद के सैदाबाद स्थित सक्सेस स्कूल में हिंदू विद्यार्थियों को कथित रूप से कलमा पढ़ने का होमवर्क दिए जाने की खबर सामने आई है। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सत्य सामने लाने तथा दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने समाज के बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों और अभिभावकों से ऐसे मामलों के प्रति जागरूक रहने तथा यदि कहीं धार्मिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से थोपा जा रहा हो, तो उसका लोकतांत्रिक एवं कानूनी तरीके से विरोध करने का आह्वान किया।

बालास्वामी ने इस मामले को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की भी आलोचना करते हुए कहा कि यदि राज्य में इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं, तो सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि शिक्षा संस्थानों को किसी भी प्रकार के धार्मिक प्रचार या धर्म परिवर्तन का माध्यम नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

## पुराने शहर टीसीसी अध्यक्ष बने उत्तम कोठारी

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल (टीसीसी) ने पुराने शहर इकाई के अध्यक्ष पद पर श्री उत्तम कोठारी की नियुक्ति की है।

टीसीसी राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज और महासचिव मोहम्मद अख्तर शरीफ ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि राज्य कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया।

श्री उत्तम कोठारी पिछले 15 वर्षों से पुराने शहर में सामाजिक कार्यों, गरीबों के उत्थान, विद्यार्थियों की शिक्षा और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से निरंतर सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी में वे स्थानीय समस्याओं के समाधान, शिक्षा सुधार, सड़क-ड्रेनेज व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे।

इस अवसर पर तेलंगाना जैन समाज, अग्रवाल समाज और विभिन्न युवा-महिला संगठनों ने श्री कोठारी को बधाई दी। श्री उत्तम कोठारी पुराने शहर के पत्थरगट्टी स्थित अग्रवाल स्कूल एवं कॉलेज से शिक्षित हैं।

## ब्रह्मर्षि पात्रीजी डॉक्यूमेंट्री फिल्म पोस्टर का अनावरण

बांसवाड़ा, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): बांसवाड़ा पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट के तहत बांसवाड़ा विधायक पोचरम श्रीनिवास रेड्डी ने ब्रह्मर्षि पात्रीजी की डॉक्यूमेंट्री फिल्म की रिलीज की घोषणा की। फिल्म रविवार, 19 जुलाई को सुबह 8 बजे माहेश्वरी थिएटर, बांसवाड़ा में रिलीज होगी। विधायक श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि ब्रह्मर्षि पात्रीजी (जिनका जन्म निजामाबाद जिले के बोधन में हुआ) की जीवन गाथा पर आधारित यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म 1990 से 1999 के बीच की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाती है। फिल्म में उनके मेडिटेशन के प्रति समर्पण, नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और मेडिटेशन के प्रचार को विशेष रूप से दिखाया गया है। यह फिल्म तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लगभग 250 थिएटर्स में एक साथ रिलीज होगी। बांसवाड़ा सहित आसपास के कई क्षेत्रों से लोग फिल्म देखने पहुंच रहे हैं। विधायक ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस फिल्म को देखें और मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

## डिज़ायर डिज़ाइनर एक्ज़ीबिशन का भव्य आगाज़

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित प्रतिष्ठित होटल ताज कृष्णा में तीन दिवसीय डिज़ायर डिज़ाइनर एक्ज़ीबिशन का भव्य शुभारंभ हो गया है। शुक्रवार को आयोजित इस ग्रैंड लॉन्च में शीर्ष मॉडल्स, फैशन प्रेमियों और मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। यह प्रदर्शनी हैदराबाद में 17, 18 और 19 जुलाई, 2026 तक चलेगी।इस खास मौके पर डिज़ायर डिज़ाइनर एक्ज़ीबिशन की मुख्य आयोजक अनीता अग्रवाल भी फैशन प्रेमियों के साथ मौजूद रहीं।देश के शीर्ष डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए लेटेस्ट फैशन आउटफिट्स और वेडिंग कलेक्शन।

एक्सक्लूसिव ज्वेलरी, ट्रेंडी साड़ियां और बेहतरीन एक्सेसरीज़ का शानदार कलेक्शन। यह प्रदर्शनी 19 जुलाई तक आम जनता और फैशन के शौकीनों के लिए खुली रहेगी।

# प्रथम पृष्ठ का शेष...

## मुख्य आरोपी...

और सभी का व्यवसाय भी अलग-अलग है, इसलिए पूरे परिवार को इस घटना से जोड़ना उचित नहीं है।

उन्होंने बताया कि उन्हें पीहर पक्ष से कथित सुसाइड ऑडियो की जानकारी मिली थी, लेकिन उस समय वे घटनास्थल से काफी दूर थे और जब तक सूचना मिली, तब तक घटना हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि रानी देवी की मौत उनके परिवार के लिए भी बेहद दुःखद घटना है और पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

पारसराम ने समाज द्वारा किए गए सामाजिक बहिष्कार पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि बिना उनका पक्ष सुने पूरे परिवार का बहिष्कार कर दिया गया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा संबंधी आशंकाओं के कारण उनका पूरा परिवार तथा रानी देवी का पुत्र अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके।

उन्होंने कहा कि उनका परिवार कानून पर पूरा विश्वास रखता है और पुलिस जब भी जांच के लिए बुलाएगी, वे बिना किसी हिचक के उपस्थित होकर पूरा सहयोग करेंगे।

फिलहाल मामला पुलिस जांच के अधीन है। एफआईआर में लगाए गए आरोप शिकायतकर्ता पक्ष के हैं, जबकि ससुराल पक्ष ने अपने परिवार, विशेषकर महिला सदस्यों पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। मामले की वास्तविक परिस्थितियां पुलिस जांच और न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

रानी देवी की मौत ने दहेज प्रताड़ना, महिला सुरक्षा और निष्पक्ष जांच जैसे गंभीर मुद्दों को एक बार फिर सामने ला दिया है। पीहर पक्ष न्याय की मांग को लेकर डीजीपी तक पहुंच चुका है, जबकि ससुराल पक्ष ने जांच में पूरा सहयोग करने की बात कही है। अब पूरे मामले में पुलिस जांच की निष्पक्षता और शेष आरोपियों के संबंध में होने वाली कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

## वंदेमातरम् ...

उल्लेखनीय है कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने साल 1875 में वंदे मातरम् की रचना की थी और बाद में 1882 में प्रकाशित अपने प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में इसे शामिल किया था। हालांकि, वर्ष 1937 में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने यह नीतिगत फैसला किया था कि सार्वजनिक आयोजनों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाएंगे। उस दौर में मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों ने गीत के बाद के अंतरों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भों को लेकर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद यह रास्ता निकाला गया था।

**मानसून सत्र में हंगामेदार बहस के आसार**

एक तरफ जहां सरकार का तर्क है कि इस विधेयक का एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को औपचारिक और मजबूत कानूनी संरक्षण प्रदान करना है, न कि किसी पुराने राजनीतिक विवाद को दोबारा हवा देना। वहीं दूसरी तरफ, विपक्ष के कड़े रुख और इस मुद्दे के गहरे राजनीतिक व सामाजिक महत्व को देखते हुए यह साफ माना जा रहा है कि संसद के आगामी मानसून सत्र में इस बिल पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और भारी हंगामा देखने को मिल सकता है।

## अब कुवैत ...

यह पूरा घटनाक्रम इसलिए भी अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि हाल ही में ईरान ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इससे पहले पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पारस्परिक रक्षा सहयोग का समझौता हो चुका था, लेकिन इन हमलों के बाद पाकिस्तान की ओर से कोई सैन्य प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। ऐसे में अब कुवैत के साथ प्रस्तावित इस नए रक्षा समझौते की व्यवहारिकता और इसकी प्रभावशीलता पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, इस साल ईरान की ओर से कुवैत पर कई हवाई हमले किए गए हैं। इन हमलों से सहमा कुवैत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नए रक्षा साझेदारों की तलाश में जुटा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहले से ही सऊदी अरब का सुरक्षा भागीदार रहा है।

हाल ही में यह रिपोर्ट भी सामने आई थी कि जब ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर हमले तेज किए थे, तब पाकिस्तान ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए कहा था कि सऊदी अरब पर किए गए किसी भी हमले को वह सीधे अपने ऊपर हुआ हमला मानेगा। अब इसी रणनीति को कुवैत में भी दोहराने की कोशिश की जा रही है।

## देवा भाऊ...

कथित वित्तीय गड़बड़ी और धन के दुरुपयोग के आरोपों के विरोध में किया जा रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि इस आंदोलन में सभी हिंदुत्ववादी संगठनों को आमंत्रित किया गया है, यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को भी आधिकारिक निमंत्रण भेजा गया है। राउत ने कहा, हमने संघ प्रमुख मोहन भागवत से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध किया है कि यदि वे स्वयं व्यस्तता के कारण नहीं आ सकते, तो अपना कोई अधिकृत प्रतिनिधि जरूर भेजें। इसके अतिरिक्त बीजेपी सहित अन्य विरोधी दलों के स्थानीय नेताओं और विधायकों को भी न्योता दिया गया है। राउत के मुताबिक, विदर्भ क्षेत्र के सभी 11 जिलों से बड़ी संख्या में राम भक्त और शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता इस आंदोलन में पारदर्शिता की मांग को लेकर जुटेंगे।

परिसीमन के मुद्दे पर खड़गे की मांग का समर्थन

संसद के आगामी मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र पर भी संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खड़गे ने देश में लोकसभा सीटों के परिसीमन (डिलिमिटेशन) के संवेदनशील मुद्दे पर संसद सत्र शुरू होने से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की पुरजोर मांग की है।

इस पर राउत ने स्पष्ट किया, मल्लिकार्जुन खड़गे जो राष्ट्रीय चिंता जता रहे हैं, हम उससे पूरी तरह सहमत हैं। उन्होंने संकेत दिया कि परिसीमन जैसे देशव्यापी और दूरगामी प्रभाव वाले विषय पर बिना व्यापक राजनीतिक सहमति के आगे नहीं बढ़ना चाहिए।

## मोदी-मनीष...

पीएम मोदी ने चंडीगढ़ के ऐतिहासिक पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं , उच्च शिक्षा और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित किए।

इसी कार्यक्रम के दौरान मंच पर जब पीएम मोदी और कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का आमना-सामना हुआ, तो दोनों नेताओं ने न केवल गर्मजोशी से हाथ मिलाया, बल्कि उनके बीच कुछ मिनटों तक लंबी बातचीत भी दर्ज की गई। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी उनके समीप ही मौजूद थे। इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य हस्तियां उपस्थित थीं।

यह मुलाकात इसलिए भी राजनीतिक रूप से सुर्खियां बटोर रही है क्योंकि कुछ ही दिन पहले मनीष तिवारी ने पंजाब कांग्रेस की अंतर्कलह को लेकर सोशल मीडिया पर एक बेहद रहस्यमयी (क्रिप्टिक) पोस्ट साझा किया था। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा था, है बड़ा कोई अवगुण उसमें जिसे कोई हुनर आवे। उन्होंने आगे लिखा, काश मेरे पास लोगों और संस्थाओं की इनसिक्योरिटीज़ (असुरक्षा की भावना) के लिए कोई एंटीडोट (दवा) होता! साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कांग्रेस ने मुझे पिछले 45 सालों में बहुत कुछ दिया है और मैंने भी अपनी पूरी एडल्ट जिंदगी दशकों से इंडियन नेशनल कांग्रेस की सेवा में लगा दी है। जो होगा, देखा जाएगा।

दरअसल, कांग्रेस आलाकमान द्वारा हाल ही में पंजाब के लिए नए वर्किंग प्रेसिडेंट और पोल पैनल (चुनाव समिति) की घोषणा की गई थी, जिसमें से मनीष तिवारी को पूरी तरह बाहर कर दिया गया था। माना जा रहा है कि मनीष तिवारी ने इसी उपेक्षा के चलते पार्टी नेतृत्व के प्रति अपना गहरा असंतोष व्यक्त किया था। हालांकि, इस विवाद के बीच 16 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में मनीष तिवारी शामिल हुए थे, जिसमें कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी समेत पार्टी के तमाम बड़े नेता मौजूद थे।

## पहली ...

इस ऐतिहासिक ट्रेन के संचालन का गौरव जींद मुख्यालय में तैनात लोको पायलट राजेश कुमार और वरिष्ठ सहायक लोको पायलट गगनदीप सिंह को मिला। पायलट गगनदीप सिंह ने बताया कि हाइड्रोजन तकनीक से संचालित इस ट्रेन को चलाने के लिए उन्हें चेन्नई से आए विशेषज्ञों की टीम द्वारा विशेष तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया था।

**भारत ने विकसित किया अपना संपूर्ण तकनीकी इकोसिस्टम: अश्विनी वैष्णव**

इस मौके पर केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन भारत के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है, क्योंकि देश ने आत्मनिर्भरता के साथ हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक के विकास में यह बड़ी कामयाबी हासिल की है। रेलमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत अब उन चुनिंदा वैश्विक देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्होंने हाइड्रोजन ट्रेनों के सफल संचालन के लिए आवश्यक संपूर्ण तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र खुद विकसित कर लिया है। उन्होंने भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए पीएम मोदी के विजन की सराहना की।

जींद में लगा विशेष प्लांट, पानी से बनेगी 'क्लीन एनर्जी'

रेलवे के मुताबिक, इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए हरियाणा के जींद में स्थापित किया गया हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र एक गेम-चेंजर साबित हुआ है। इस अत्याधुनिक संयंत्र में पानी से इलेक्ट्रोलिसिस (विद्युत् अपघटन) की प्रक्रिया के माध्यम से शुद्ध हाइड्रोजन गैस तैयार की जा रही है।

यह पूरी तरह से स्वच्छ ऊर्जा है, जिसके जलने से किसी भी प्रकार का धुआं, प्रदूषण या हानिकारक कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में देश के पर्यावरण संरक्षण और हरित परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

रेलवे का कायाकल्प: रेलमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों की शुरुआत, रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय पुनर्विकास और अब इस हाइड्रोजन ट्रेन का आगमन भारतीय रेलवे के बदलते स्वरूप की स्पष्ट झलक है।

नियमित संचालन के शेड्यूल का इंतजार, ट्रायल रहा पूरी तरह सफल

अपनी पहली सफल उद्घाटन यात्रा पूरी करने के बाद यह ट्रेन सोनीपत से शाम के वक्त बिना यात्रियों के वापस जींद लौट आई। वापसी के दौरान रेलवे स्टेशन पर उत्सुकता वश कुछ यात्री इस आधुनिक ट्रेन में सवार हो गए थे, जिन्हें आरपीएफ और रेलवे स्टाफ द्वारा विनम्रतापूर्वक नीचे उतार दिया गया।

रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभी इस रूट पर नियमित यात्री सेवा का आधिकारिक टाइम-टेबल (शेड्यूल) लागू होना बाकी है। सुरक्षा जांच और आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के तुरंत बाद आम जनता के लिए इस ट्रेन का नियमित कमर्शियल संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

## बुलेट ट्रेन ...

अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल परियोजना पर दोनों देश मिलकर बेहतर समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

परियोजना की तकनीकी प्रगति की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने बताया कि जापान की ओर से अत्याधुनिक ए20 सीरीज की बुलेट ट्रेनें साल 2030 के शुरुआती वर्षों में भारत को उपलब्ध कराई जा सकेंगी, क्योंकि यह विशिष्ट ट्रेन मॉडल अभी जापान में विकास और परीक्षण के चरण में है। ऐसे में, परियोजना में और देरी को रोकने के लिए दोनों देशों ने आपसी सहमति से एक बड़ा फैसला लिया है। अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत भारतीय हाई-स्पीड ट्रेन के साथ की जाएगी।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रणनीतिक समय-सीमा स्पष्ट करते हुए कहा कि बुलेट ट्रेन के निर्माण कार्य ने अब अभूतपूर्व गति पकड़ ली है और परियोजना का पहला चरण वर्ष 2027 में ही शुरू कर दिया जाएगा।

**सिग्नलिंग सिस्टम विवाद पर भारत का दोटूक जवाब**

पूर्व जापानी मंत्री हिदेकी माकिहारा ने अपने पोस्ट में यह संगीन आरोप भी लगाया था कि बुलेट ट्रेन परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से यानी सिग्नलिंग सिस्टम से जापान को जानबूझकर बाहर कर दिया गया है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि सिग्नलिंग उपकरणों के टेंडर और ऑर्डर पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और पारदर्शी तरीके से दिए गए हैं।

मंत्रालय के प्रवक्ता ने दोटूक शब्दों में कहा, इस विशिष्ट कार्य के संबंध में जापान की सरकार या उनकी कंपनियों की ओर से समय रहते कोई प्रस्ताव प्राप्त ही नहीं हुआ था। हमारा एकमात्र उद्देश्य दोनों देशों की साझा सहमति के अनुसार जल्द से जल्द भारत की पहली हाई-स्पीड रेल सेवा को पटरी पर उतारना है।

देरी के लिए 100% भारतीय पक्ष जिम्मेदार क्या थे पूर्व जापानी मंत्री के आरोप?

गौरतलब है कि जापान के पूर्व न्याय मंत्री हिदेकी माकिहारा ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक के बाद एक कई तीखे दावे किए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में हो रहे विलंब के लिए पूरी तरह से भारतीय अधिकारी और उनकी कार्यशैली जिम्मेदार है। माकिहारा ने आरोप लगाया कि भारतीय पक्ष ने उच्च स्तरीय बातचीत के दौरान कई बार अपने लिखित व मौखिक वादे नहीं निभाए और केवल अपने देश के हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने यहां तक दावा कर दिया था कि परियोजना के समय पर आगे नहीं बढ़ पाने की 100 प्रतिशत जिम्मेदारी केवल भारतीय पक्ष की है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन: 320 किमी की रफ्तार और 12 आधुनिक स्टेशन

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना है, जो देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प करने वाली है। 508 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर दो प्रमुख औद्योगिक राज्योंमहाराष्ट्र और गुजरात को आपस में जोड़ेगा। इस ऐतिहासिक परियोजना में जापान की विश्वप्रसिद्ध 'शिंकानसेन' तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके लिए 'जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी' बेहद रियायती दरों पर भारत को वित्तीय सहायता (लोन) उपलब्ध करा रही है।

यह बुलेट ट्रेन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती सहित कुल 12 आधुनिक स्टेशनों से होकर गुजरेगी। 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन के शुरू होने के बाद मुंबई से अहमदाबाद का सफर महज 2 घंटे 7 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

15 अगस्त 2027 से पटरियों पर दौड़ेगी देश की पहली हाई-स्पीड ट्रेन

निर्धारित ब्लूप्रिंट के मुताबिक, परियोजना के पहले चरण के तहत गुजरात के 'सूरत-बिलीमोरा सेक्शन' पर 15 अगस्त 2027 की ऐतिहासिक तारीख से चरणबद्ध तरीके से यात्री सेवाएं शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद बाकी बचे हुए हिस्सों को भी तेजी से चालू किया जाएगा।

समाचार पृष्ठभूमि: भूमि अधिग्रहण की शुरुआती अड़चनों, प्रशासनिक मंजूरियों और महाराष्ट्र में पूर्ववर्ती राजनीतिक उलटफेर के कारण शुरुआती वर्षों में इस मेगा प्रोजेक्ट की रफ्तार जरूर धीमी रही थी। लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकारों के कड़े रुख के बाद देश के पहले अंडरवॉटर टनल (समुद्री सुरंग), गगनचुंबी पुलों और अत्याधुनिक रेलवे स्टेशनों का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है।

## चाबहार...

दबाव और ज्यादा गहरा सकता है।ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, 'चाबहार फ्री जोन ऑर्गनाइजेशन' के प्रमुख मोहम्मद सईद अरबाबी ने आधिकारिक पुष्टि की है कि जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाला मुख्य टावर पूरी तरह नष्ट हो चुका है। ईरान के सरकारी मीडिया ने यह भी बताया कि इन मिसाइल हमलों में बंदरगाह के दो प्रमुख समुद्री पियर्स (घाटों) को भी भारी नुकसान पहुंचा है, जिनमें 'शाहिद बेहेश्ती डॉक' शामिल है। यह समुद्र के किनारे विकसित एक विशाल परिवहन सुविधा है, जिसे भारत की सक्रिय भागीदारी और वित्तीय सहयोग से तैयार किया गया था। इसके अलावा स्थानीय पुलिस स्टेशन के डॉक को भी नुकसान पहुंचा है और हमलों के चलते चाबहार के लगभग आधे हिस्से में बिजली गुल हो गई है।

**एक ही पोर्ट में दो अलग दुनिया: शाहिद कलंतरी बनाम शाहिद बेहेश्ती**

चाबहार बंदरगाह में दो अलग-अलग पोर्ट कॉम्प्लेक्स शामिल हैंशाहिद कलंतरी पोर्ट और शाहिद बेहेश्ती पोर्ट। शाहिद कलंतरी को आम तौर पर पुराना पोर्ट कॉम्प्लेक्स माना जाता है, जिसे 1980 के दशक में विकसित किया गया था। अमेरिकी हमलों में गिरा मैरीटाइम टावर इसी पुराने शाहिद कलंतरी टर्मिनल पर स्थित था। वहीं दूसरी ओर, शाहिद बेहेश्ती नया, आधुनिक और रणनीतिक रूप से कहीं अधिक विकसित टर्मिनल है, जिसे पूरी तरह भारत ने संवारा है। भारत सरकार की कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) साल 2018 से इस शहीद बेहेश्ती टर्मिनल का सफल कामकाज संभाल रही है।

मई 2024 में ईरान के साथ हुए एक ऐतिहासिक 10 वर्षीय समझौते के तहत आईपीजीएल को इस टर्मिनल के जनरल कार्गो और कंटेनर टर्मिनल का संचालन सौंपा गया था। इसके तहत जहाजों के प्रबंधन के साथ-साथ कंटेनर और बल्क कार्गो की लोडिंग-अनलोडिंग को आधुनिक बनाने का जिम्मा भी भारतीय कंपनी के पास है। इसके लिए मोबाइल हार्बर क्रेन, रीच स्टैकर और फोर्कलिफ्ट जैसे आधुनिक कार्गो हैंडलिंग उपकरण भी भारत द्वारा ही उपलब्ध कराए जा रहे थे।

**भारत के साढ़े 11 अरब रुपये दांव पर, पाकिस्तान को बायपास करने की रणनीति**

चाबहार ईरान का वह रणनीतिक इलाका है, जहां भारत ने भू-राजनीतिक हितों के तहत भारी निवेश किया है। वर्ष 2024 में ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के साथ 10 साल का ऑपरेशनल एग्रीमेंट साइन करने के बाद से भारत यहां अब तक लगभग 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर (तकरीबन साढ़े 11 अरब रुपये) का प्रत्यक्ष निवेश कर चुका है। इस दीर्घकालिक समझौते के तहत कुल 370 मिलियन डॉलर (लगभग 37 करोड़ डॉलर) तक के निवेश और विकास की योजना बनाई गई थी।

यह बंदरगाह भारत के लिए सामरिक रूप से इसलिए रीढ़ की हड्डी माना जाता है, क्योंकि इसके जरिए पाकिस्तान को दरकिनार (बायपास) करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया के बाजारों तक भारत को सीधी व्यापारिक पहुंच मिलती है। हिंद महासागर से जुड़ा होने के कारण यह भारत की वैश्विक कनेक्टविटी का सबसे बड़ा जरिया है।

ताजा अमेरिकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक सवाल उठा रहे हैं कि क्या भारत का अरबों का निवेश डूब गया? विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का निवेश पूरी तरह डूब गया है, ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। अमेरिकी प्रतिबंधों के साये में भी भारत चाबहार में अपने निवेश पर धीरे-धीरे और फूंक-फूंक कर काम आगे बढ़ा रहा है, लेकिन हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई निश्चित रूप से भारत के लिए एक बड़ा झटका है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 18 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# नराकास हैदराबाद (का.-5) की पहली बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा हैदराबाद में सीए-सआईआर – आईआईसीटी की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद (का.-5) का गठन किया गया। इस समिति की पहली बैठक 17 जुलाई 2026 को सीएसआईआर – भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें नराकास-5, हैदराबाद के 35 सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों और हिंदी प्रभारियों, अधिकारियों, अनुवादकों ने भाग लिया। एनएमआरआई के निदेशक डॉ. एस. बी. बारबुद्धे, ऊपरी गोदावरी मंडल के अधिशासी अभियंता श्री चरण एन., सिकंदराबाद जीएसटी आयुक्तालय के आयुक्त श्री दसारी बालय्या, एसटीपीआई की निदेशक श्रीमती कविता सी., पेसो के उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक श्री करुणमय पांडे, रंगारेड्डी जीएसटी आयुक्तालय के अपर आयुक्त श्री आर. ए. प्रवीण कुमार, मेडचल आयुक्तालय के संयुक्त आयुक्त श्रीमती पारूल श्रीवास्तव, कैंटीन भंडार

विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री टी. गोपाल कृष्णा, सहायक स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी का कार्यालय के सहायक लेखा अधिकारी श्री सूर्यकांत त्रिपाठी, लेखा परीक्षा – 2 का सहायक आयुक्त श्री ए. वेणुगोपाल, एम्स बीबीनगर के कुलसचिव श्री अतीकुर रहमान की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि राजभाषा नियम, 1976 को लागू हुए आज के दिन ही 50 वर्ष हुए हैं। इस तरह हमारी यह बैठक राजभाषा नियम, 1976 की स्वर्ण जयंती को समर्पित है। हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक डॉ. सीमा कुमारी ने अपने संबोधन में हिंदी प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी कार्यालय यह सुनिश्चित करे कि प्रशिक्षण हेतु नामित कार्मिक कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहें एवं परीक्षाओं में भी अनिवार्य रुप से भाग लें। हमारे पास प्रशिक्षण हेतु सुविधाएँ उपलब्ध हैं, हमें खुशी होगी कि आप इनका लाभ उठाएं। एनआईआरडीपीआर के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक श्रीमती अनिता पांडे ने हैदराबाद में गठित नराकास – 5 के अध्यक्ष एवं सदस्य कार्यालयों को बधाई देते हुए निदेशक डॉ. श्री निवासरेड्डी के हिंदी के प्रति लगाव की प्रशंसा की। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंग्लुरू के उप निदेशक श्री निर्मल कुमार दुबे ने नराकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके बैठकों में कार्यालय प्रमुख की उपस्थिति को अनिवार्य बताया। ताकि इस समिति के माध्यम हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें। उन्होंने आगे कहा कि यह मंच उत्कृष्ट पहल के आदान-प्रदान का मंच है और आपसी सहयोग से हिंदी को बढ़ावा देने का मंच है। उन्होंने नराकास की गंभीरता पर चर्चा करते हुए कहा कि नराकास के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलापों के लिए उपसमितियां गठित की जाएं और सभी की जिम्मेदारी तय की जाए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने राजभाषा के साथ-साथ कचरा से कंचन, जैवअपघटीय प्लास्टिक, हैदराबाद के फार्मा उद्योग आदि में आईआईसीटी के योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा अपने मन की बात कार्यक्रम में आईआईसीटी के एजीआर प्रौद्योगिकी के जिक्र के बाद उक्त प्रौद्योगिकी के बढ़ती मांग का उल्लेख किया। अपने संबोधन के क्रम में उन्होंने कहा कि हम राजभाषा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य करेंगे और सदस्य कार्यालयों से भी करवायेंगे। कार्यक्रम में नराकास-3 के सदस्य सचिव श्री सुब्बाराव, हिंदी शिक्षण योजना के संतोष कुमार, सेवानिवृत्त हिंदी अधिकारी टी. वी. राजू की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच का संचालन सदस्य सचिव डॉ. सौरभ कुमार, राष्ट्रगीत वंदेमातरम का सुरमय गायन वैज्ञानिक डॉ. अलिभिया धाड़ा और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सी. कृष्णावेणी एवं धन्यवाद ज्ञापन हिंदी अनुवादक श्री आदर्श कुमार के द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ।

# सुरेश कुमार व्यास 'जानम' बने विप्र सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष

## संदीप जोशी (श्रीमाली) को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी

## 19 जुलाई को स्थापना दिवस पर होंगे विविध कार्यक्रम

## राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सर्वेश जोशी ने की नियुक्तियों की घोषणा

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

विप्र सेना राष्ट्रीय संगठन, जयपुर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सर्वेश जोशी ने प्रमुख व्यवसायी एवं ब्राह्मण समाज के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत सुरेश कुमार व्यास 'जानम' को विप्र सेना तेलंगाना का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सुरेश कुमार व्यास 'जानम' ट्रेवल एवं डिजिटल सेवा व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वे सिखवाल प्रगति समाज, ऋष्यश्रृंग भवन, हैदराबाद में प्रचार-प्रसार मंत्री, हैदराबाद डेक्कन जूनियर चैंबर (जोन-12) के संस्थापक सचिव, भाजपा आबू पर्वत मंडल के प्रवक्ता, सिरोही जिला पर्यटन विकास समिति के सदस्य तथा राजस्थानी ब्राह्मण महासभा सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। वे लंबे समय से ब्राह्मण समाज की सेवा एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

**संदीप जोशी (श्रीमाली) बने प्रदेश महासचिव**

राष्ट्रीय संगठन को तेलंगाना में और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुरेश

कुमार व्यास 'जानम' ने संदीप जोशी (श्रीमाली) को विप्र सेना तेलंगाना का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है।

संदीप जोशी ज्वेलरी व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में वे भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष हैं। इसके साथ ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए हैं तथा श्री सिद्धि विनायक मंदिर (नगार खाना) के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं। वे ब्राह्मण समाज के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

विप्र सेना के स्थापना दिवस के अवसर पर 19 जुलाई को तेलंगाना में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने समाज के अधिकाधिक लोगों से इन कार्यक्रमों में सहभागिता निभाने का आह्वान किया है।

# सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निभा रहा मानवता का श्रेष्ठ दायित्व : शिवानी अग्रवाल

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित स्टेट पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा को ही सच्ची ईश्वर भक्ति बताते हुए समाज में परोपकार की भावना को निरंतर मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिवानी अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से अन्नदान कर समाज

के वंचित एवं जरूरतमंद लोगों के जीवन में आशा का संचार कर रहा है। यह सेवा केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक संदेश भी देती है।

उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एकजुट होकर सेवा कार्यों में भाग लेते हैं, तब समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना स्वतः विकसित होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रत्येक सदस्य पूरी निष्ठा, समर्पण और आत्मीयता के साथ सेवा कार्यों में योगदान दे रहा है, जो अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण है।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पुबाराम कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अन्नदान सेवा में अपना योगदान दिया। अंत में सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

# ब्लैक एंड व्हाइट थीम पर सजा अग्रवाल समाज गच्चीबावली महिला शाखा का स्नेह मिलन

## सावन उत्सव की तैयारियों को लेकर बनी रणनीति

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल समाज, गच्चीबोवली महिला शाखा की एक आत्मीय सभा का आयोजन माई होम वसंत, व्हाइटफील्ड स्थित स्नेहा अग्रवाल के निवास पर ब्लैक एंड व्हाइट थीम पर किया गया।

सभा में आगामी सावन महोत्सव के भव्य आयोजन पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी जॉइंट सेक्रेटरी शिवानी अग्रवाल को सौंपी गई, जिसमें कार्यकारिणी सदस्य पायल गर्ग एवं नीतू अग्रवाल सह-संयोजिका के रूप में सहयोग करेंगी।

सभा के विशेष आकर्षण आज की शख्सियत के तहत सदस्यों ने स्नेहा अग्रवाल के जीवन और उनकी कला यात्रा के बारे में जाना। उनकी अनुपम कलाकृतियों को देखकर सभी सदस्य अभिभूत हो गए। सदस्यों ने कहा कि हमारे बीच एक अत्यंत प्रतिभाशाली कलाकार का होना गर्व की बात है। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर बनी उनकी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के दौरान तंबोला, फिल्मी गीतों पर आधारित खेल और नृत्य का सभी महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया।

अंत में स्वादिष्ट दोपहर भोज के उपरांत गीता अग्रवाल द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया और सभा का समापन हुआ।

इस अवसर पर आशा अग्रवाल, नीलिमा गुप्ता, आनंदी अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, गीता अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, पायल गर्ग, शिखा अग्रवाल, सुनीता शाह, रितु अग्रवाल, पुलका गुप्ता, नेहा टिबरेवाल, स्नेहा अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित थीं।

# अत्तापुर में आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

## इस्कॉन की पांचवीं वार्षिक रथ यात्रा में कथा, कीर्तन, भजन, आरती और छप्पन भोग का होगा आयोजन

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भगवान श्री जगन्नाथ एवं श्रील प्रभुपादजी की कृपा से इस्कॉन अत्तापुर द्वारा पांचवीं वार्षिक भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन शनिवार, 18 जुलाई 2026 को किया जाएगा। यह भव्य रथ यात्रा दोपहर 1:30 बजे इस्कॉन अत्तापुर से प्रारंभ होकर शाम 6:00 बजे अत्तापुर स्थित पिलर संख्या 268 के निकट एसएनसी कन्वेंशन में संपन्न होगी।

आयोजकों ने बताया कि रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा महारानी के दिव्य दर्शन कर भक्ति, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ प्रभु के नाम-संकीर्तन में सहभागी बनेंगे।

**हरे कृष्ण महोत्सव में होगी कथा, कीर्तन और आरती**

रथ यात्रा के उपरांत 18 जुलाई की शाम एसएनसी कन्वेंशन में हरे कृष्ण महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान श्री जगन्नाथ कथा, हरे कृष्ण संकीर्तन, भजन एवं भव्य आरती का आयोजन होगा। इस

अवसर पर इस्कॉन के वरिष्ठ संन्यासी श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे तथा मानव जीवन के उद्देश्य और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करेंगे।

**भगवान को अर्पित होगा विशेष छप्पन भोग**

आयोजकों के अनुसार, शनिवार, 18 जुलाई को रात्रि 8:00 बजे एसएनसी कन्वेंशन में भगवान श्री जगन्नाथ को विशेष छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए रात्रि प्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी।

आयोजकों ने बताया कि ब्रह्मांड पुराण में वर्णित है कि जो श्रद्धालु भगवान की रथ यात्रा के दर्शन करता है तथा उनका स्वागत करने के लिए श्रद्धापूर्वक उपस्थित होता है, वह अपने पापों से मुक्त होकर अंततः भगवान के परम धाम की प्राप्ति का अधिकारी बनता है।

इस्कॉन अत्तापुर ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार एवं मित्रों सहित इस भव्य भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में सहभागी बनने, प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा महाप्रसाद का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

# दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज का वरिष्ठ जीवनसाथी परिचय सम्मेलन 22 अगस्त को

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज एवं अग्रबंध फाउंडेशन, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए ''वरिष्ठ जीवनसाथी परिचय सम्मेलन'' का आयोजन शनिवार, 22 अगस्त को कर्नाटक के मैसूर में किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य जीवन के उत्तरार्ध में अकेलेपन का सामना कर रहे वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक नए जीवनसाथी एवं नए संबल का अवसर उपलब्ध कराना है। दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल, मानद मंत्री श्याम चौधरी तथा सह मंत्री महेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि बदलती जीवनशैली, पारिवारिक संरचना में परिवर्तन, वैवाहिक विच्छेद, जीवनसाथी के असामयिक निधन तथा एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन का जीवन जीने को विवश हैं। ऐसे लोगों को आत्मीयता, सम्मान और नई आशा प्रदान करने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

**देशभर के वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा सहभागिता का अवसर**

डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने बताया कि सम्मेलन में 50 से 80 वर्ष आयु वर्ग के अविवाहित, तलाकशुदा, विधुर एवं विधवा महिला-पुरुष भाग ले सकेंगे। इसमें अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, वैश्य, ब्राह्मण सहित सनातन समाज के विभिन्न वर्गों के इच्छुक प्रतिभागियों को एक-दूसरे से परिचित होने तथा जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करने का अवसर मिलेगा।

मानद मंत्री श्याम चौधरी ने बताया कि दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, पुडुचेरी और गोवा सहित लगभग 145 जिलों में विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में नई आशा, आत्मीयता और सामाजिक सहयोग का संदेश देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है।

**अधिक से अधिक पंजीकरण कराने की अपील**

सह मंत्री महेश अग्रवाल ने समाज के सभी संगठनों, पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं से आग्रह किया कि वे इस आयोजन की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं तथा पात्र महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों को पंजीकरण कर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि अधिकाधिक वरिष्ठ नागरिक इस सामाजिक पहल का लाभ उठा सकें।

# मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन किया

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 20 राज्यों में 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों के शुभारंभ के हिस्से में हैदराबाद में पुनर्विकसित हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के अपने दौरे के दौरान 25,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए जालंधर रेलवे स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन स्टेशनों का उद्घाटन किया। हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन पर इसके समानांतर एक समारोह आयोजित किया गया। इसमें एमएलसी एवीएन रेड्डी, दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सिकंदराबाद मंडल रेल प्रबंधक आर गोपालकृष्णन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी शामिल हुए।

इस अवसर पर श्री रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में रेलवे बुनियादी ढांचे में तेजी से विकास हो रहा है और वर्तमान में 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। केंद्र सरकार सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के लिए रेल, सड़क और हवाई संपर्क को मजबूत कर रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक ने कहा कि तेलंगाना के अन्य अमृत भारत स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य निर्धारित समय सारणी के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रहे हैं। पुनर्विकसित हाई-टेक सिटी स्टेशन को एक नये स्टेशन भवन, बेहतर प्रतीक्षालयों, लिफ्ट, एस्केलेटर, आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर साइनेज और दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाओं के साथ उन्नत किया गया है।

समारोह के दौरान छात्रों के लिए आयोजित निबंध, ड्राइंग, पेंटिंग और सेल्फी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये, जबकि स्टेशन पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गयीं।

इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री ने हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे मेक इन इंडिया पहल के तहत महत्वपूर्ण बताया।

धातुकर्म उद्योग की एआई यात्रा हेतु डेटा स्ट्रेटेजी विषय पर

# मिधानि में एआई कार्यशाला का आयोजन

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के उपक्रम मिश्रा धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने हैदराबाद में धातुकर्म उद्योग की एआई यात्रा हेतु डेटा स्ट्रेटेजी विषय पर एक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सरकार, शिक्षाविदों, उद्योग जगत तथा रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा धातुकर्म एवं विनिर्माण क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा विश्लेषण एवं डिजिटल प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

कार्यशाला का उद्घाटन मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति द्वारा किया गया। तेलंगाना सरकार के आयुक्त (ईएसडी) श्री टी. रवि किरण, आईएफएस ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर मिधानि की निदेशक (वित्त) श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) श्री पी. बाबू तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके उपरांत एआई विषयक वीडियो प्रस्तुति, अपर महाप्रबंधक (आईटी) श्री ए.के तिवारी द्वारा स्वागत संबोधन तथा मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा उद्घाटन उद्बोधन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, तेलंगाना सरकार के आयुक्त (ईएसडी) श्री टी. रवि किरण, तिरुमला, आईएफओएस ने भविष्य के लिए सक्षम एवं सुदृढ़ उद्योगों के निर्माण तथा भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने में एआई एवं डेटा-आधारित प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने तेलंगाना शासन द्वारा जन्म पंजीकरण, सरकारी विद्यालयों, बिलों, कराधान तथा चिकित्सा अभिलेखों के क्षेत्रों में लागू की जा रही डेटा पहलों की जानकारी दी। उन्होंने तेलंगाना डेटा एक्सचेंज (टीजीडीईएक्स) के बारे में भी विस्तार से बताया, जो डेटा साझाकरण एवं एआई नवाचार के लिए भारत की प्रथम राज्य-स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना है।

मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने अपने संबोधन में धातुकर्म की यात्रा को एक कला से धातु विनिर्माण प्रक्रिया के डिजिटल ट्विन के डिज़ाइन तक विकसित होने की प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया। उन्होंने प्रक्रिया अनुकूलन (प्रॉसेस ऑपटिमैज़ेशन), पूर्वानुमानित अनुरक्षण (प्रिडेक्टिव मैंटेनेन्स) तथा मिश्रधातु (अलॉय) डिज़ाइन में एआई के उपयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए सामरिक विनिर्माण क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने एवं नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

मिधानि की निदेशक (वित्त) श्रीमती के. मधुबाला ने विभिन्न स्रोतों से डेटा संकलन, विश्लेषण एवं उससे प्राप्त अंतर्दृष्टियों के माध्यम से उत्पादन लागत में कमी लाने तथा आपूर्ति श्रृंखला क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। मिधानि के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) श्री पी. बाबू ने धातु विनिर्माण उद्योगों में एआई को अपनाने तथा विभिन्न प्रक्रियाओं के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लेने में डेटा विश्लेषण की भूमिका को रेखांकित किया। मिधानि की मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस ने प्रक्रिया-संबंधी डेटा के साथ-साथ वित्त, क्रय, विपणन, मानव संसाधन एवं अन्य सहायक सेवाओं सहित सभी क्षेत्रों में डेटा के डिजिटलीकरण के महत्व को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्रों में शिक्षाविदों, कॉरपोरेट एवं रक्षा संगठनों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों- आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर डॉ. जी. फणी कुमार, आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर डॉ. अलंकार अलंकार, गूगल इंडिया की स्टाफ डेवलपर एडवोकेट डॉ. अभिरामी सुकुमारन तथा डीवाईएसएल-एसएम के वैज्ञानिक-सी श्री के.एन.एस. पवन कुमार ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने सरकार एवं रक्षा संगठनों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण एवं एआई, ऊर्जा-कुशल एवं सुरक्षित एआई रणनीतियाँ, सामग्री एवं विनिर्माण नवाचार हेतु एआई एवं मशीन लर्निंग प्रोटोकॉल, उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के अनुप्रयोगों से आगे बढ़कर विशाल प्रक्रिया डेटा के उपयोग, रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में एआई कार्यान्वयन रणनीतियों तथा उन्नत धातुकर्म अनुप्रयोगों हेतु डेटा-आधारित उपकरणों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला में कोर धातुकर्म उद्योगों में एआई विषय पर एक रोचक पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया, जिसमें विनिर्माण पारितंत्र में उत्पादकता, गुणवत्ता, परिचालन दक्षता एवं नवाचार को बढ़ाने हेतु एआई के प्रभावी उपयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। मिधानि की यह एआई पहल उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा एक सुदृढ़ डेटा-संचालित कार्य-संस्कृति के विकास के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है, जिससे भारत की सामरिक धातुकर्म क्षमताओं को और सशक्त बनाया जा सके। कथन डेटा से खोज तक, नवाचार से प्रभाव तक कार्यशाला की भावना को सार्थक रूप से अभिव्यक्त करता है तथा डेटा को उपयोगी अंतर्दृष्टियों एवं नवाचार को राष्ट्रीय प्रभाव में रूपांतरित करने की मिधानि की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।

कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन मिधानि की वरिष्ठ प्रबंधक (आईटी) सुश्री मानाली हिंगराजिया द्वारा किया गया। मिधानि की प्रबंधक (आईटी) सुश्री लक्ष्मी प्रसन्ना ने रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में एआई विषयक सत्र के अंतर्गत मिधानि की एआई परियोजनाओं के पोर्टफोलियो की प्रस्तुति दी। कार्यशाला के सफल आयोजन में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन मिधानि की उप महाप्रबंधक (आईटी) सुश्री श्रावंती चिटिकेसी द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

# राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रत्येक सेवा कार्य मानवता की सच्ची मिसाल : मोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मोहित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रत्येक सेवा कार्य मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सबसे बड़ी सेवा है। ग्रुप जिस समर्पण, अनुशासन और निस्वार्थ भाव से निरंतर अन्नदान कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी सेवा के ऐसे पावन कार्यों से जुड़कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने में अपना योगदान दें।कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू शर्मा, जगन गुप्ता एवं मोहित अग्रवाल ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी स्वयंसेवकों ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ अन्नदान कर जरूरतमंदों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित यह नियमित अन्नदान अभियान निरंतर मानव सेवा की अलख जगा रहा है और समाज में परोपकार, सहयोग तथा संवेदनशीलता का संदेश प्रसारित कर रहा है।

# फीफा फाइनल के लिए हैदराबाद में देर रात तक खुलेंगे होटल, रेस्टोरेंट और पब

## तेलंगाना सरकार ने फुटबॉल प्रशंसकों की मांग पर दी विशेष अनुमति

**हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना सरकार ने फुटबॉल प्रेमियों की बड़ी संख्या में प्राप्त मांगों को देखते हुए अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेले जाने वाले फीफा विश्व कप फाइनल के लाइव प्रसारण के दौरान हैदराबाद में होटल, रेस्टोरेंट, पब तथा अन्य व्यावसायिक एवं निजी खेल एवं खानपान प्रतिष्ठानों को निर्धारित समय से अधिक देर तक खुला रखने की विशेष अनुमति प्रदान की है। सरकारी निर्णय के अनुसार, फाइनल मुकाबला सोमवार तड़के 12:30 बजे शुरू होगा। इसे देखते हुए संबंधित प्रतिष्ठान रविवार शाम से मैच समाप्त होने तक खुले रह सकेंगे, ताकि फुटबॉल प्रशंसक सामूहिक रूप से मैच का आनंद ले सकें।

**मैच देखने के लिए विशेष व्यवस्था**

सरकार का कहना है कि इस विशेष अनुमति का उद्देश्य शहर के खेल प्रेमियों को विश्व कप फाइनल का लाइव प्रसारण सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण में देखने का अवसर उपलब्ध कराना है। इसके तहत होटल, रेस्टोरेंट, पब तथा अन्य खानपान एवं स्पोर्ट्स वेन्यू निर्धारित अवधि तक संचालित किए जा सकेंगे।

**सुरक्षा व्यवस्था में नहीं होगी कोई ढील**

हालांकि सरकार ने देर रात तक संचालन की विशेष अनुमति दी है, लेकिन सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े सभी मानक प्रोटोकॉल पूरी तरह लागू रहेंगे। नए साल के अवसर पर लागू किए जाने वाले सुरक्षा एवं निगरानी संबंधी सभी दिशा-निर्देश इस दौरान भी प्रभावी रहेंगे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार के नियमों के उल्लंघन, विशेषकर नशे की हालत में वाहन चलाने (ड्रंक एंड ड्राइव) के मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि पूरे शहर में सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण बना रहे।

# विश्व जनसंपर्क दिवस का आयोजन

**हैदराबाद, 16 जुलाई 2026:**

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के हैदराबाद चैप्टर ने फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ऋद्धउउख) के सुराना ऑडिटोरियम में 'विश्व जनसंपर्क दिवस 2026' मनाया।

इस वर्ष की वैश्विक थीम द गोल्डन एज ऑफ स्ट्रैटेजिक पब्लिक रिलेशंस (रणनीतिक जनसंपर्क का स्वर्ण युग) थी। कार्यक्रम में जनसंपर्क पेशेवरों, शिक्षकों और जनसंचार के छात्रों ने हिस्सा लिया।

नैतिक संचार पर ज़ोर: हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के. यादगिरी ने कहा कि आज के दौर में विश्वसनीयता और संबंध-निर्माण बेहद महत्वपूर्ण हैं।

यह दिवस नैतिक संचार और लोकतांत्रिक समाज को मजबूत करने में जनसंपर्क के योगदान को रेखांकित करता है।

बहुविषयक क्षेत्र: 'पब्लिक रिलेशंस वॉयस' के संपादक श्री वाई. बाबजी ने पीआर को एक बहुविषयक हाइब्रिड पेशा बताया। उन्होंने आधुनिक जनसंपर्क के जनक 'इवी लेडबेटर ली' के सिद्धांतों को याद करते हुए पीआर को दुष्-प्रचार (प्रोपेगैंडा) और लॉबिंग से अलग बताया। वर्तमान में वैश्विक पीआर बाजार 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का है।

तकनीक और चुनौतियाँ: मुख्य अतिथि और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री अजय मिश्रा ने कहा कि डिजिटल युग में जहाँ संदेश तेजी से फैलते हैं, वहीं फेक न्यूज और डीपफेक के कारण नैतिक व पारदर्शी संचार की आवश्यकता और बढ़ गई है। उन्होंने पीआर पेशेवरों के लिए प्रभावी सार्वजनिक भाषण (पब्लिक स्पीकिंग) को जरूरी बताया।

सामाजिक सहयोग की अपील: कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नवाब श्री रौनक यार खान ने सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक जागरूकता के लिए अपना समर्थन देने की इच्छा जताई।

आभार व्यक्त किया: चैप्टर के सचिव श्री राजेश कल्याण ने नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन , तेलंगाना ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन और अन्य अतिथियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन डिजिटल युग में 'सत्य, विश्वास और पारदर्शिता' के सिद्धांतों पर टिके रहकर नैतिक संचार और व्यावसायिक उत्कृष्टता को बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

# घरेलू विवाद के बाद कुएं में कूदने से महिला और बेटी की मौत, बेटा बच गया

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रदेश के रंगा रेड्डी जिले में गृह क्लेश से तंग आकर एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों को कुएं में धकेल दिया और फिर खुद भी उसमें कूद कर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के मुताबिक, मरने वालों की पहचान वसंता (35) और उनकी 15 साल की बेटी नव्या के तौर पर हुई है। उनका 10 साल का बेटा इस घटना में बच गया। वह मदद मिलने तक कुएं के अंदर पेड़ की एक टहनी को पकड़े रहा।

वसंता और उनके पति सुधाकर, विकाराबाद जिले के कोडंगल इलाके के रहने वाले है। वह काम के सिलसिले में कोथापल्ली गांव में रह रहे थे। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे और गुरुवार रात भी उनके बीच बहस हुई थी।

मामले की सूचना मिलने पर शंकरपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची, कुएं से शव निकाले और शुक्रवार को उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.